राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार 23 अगस्त 2024 वर्ष-7,अंक-210 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारत का प्रत्यक्षकर संग्रह पिछले 10 वर्षों में बढ़कर 20 लाख करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली । भारत का प्रत्यक्ष कर संग्रह पिछले 10 वर्षों में 5.59 लाख करोड़ से बढ़कर 20 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस दौरान टैक्स-टू-जीडीपी प्रतिशत भी बढ़कर 6 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो कि पहले 5.6 प्रतिशत था। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने आयकर विभाग के तेजी से काम करने को भी हाईलाइट करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में 7.28 करोड़ (31 जुलाई तक) आईटीआर जमा हुए। इसमें से 4.98 करोड़ आईटीआर प्रोसेस हो चुके हैं। 3.92 करोड़ आईटीआर 15 से कम दिनों में ही प्रोसेस हो चुके थे। आयकर विभाग पिछले कुछ वर्षों में टैक्स बेस को दोगुना करने में सफल रहा है। साथ ही फेसलेस रिजीम, ई-वेरिफिकेशन और ई-फाइलिंग आदि के जरिए करदाताओं के लिए अनुपालन को कम किया है। वहीं कार्यक्रम में सीबीडीटी के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा कि डिपार्टमेंट का फोकस करदाताओं के लिए सर्विसेज को बढ़ाने और तकनीक के लिए अनुपालन को कम करने पर है। उन्होंने कहा कि बीते वित्त वर्ष शुद्ध कर संग्रह में 17.7 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली थी। वहीं, पिछले वर्ष के मुकाबले इस साल (31 जुलाई तक) जमा होने वाले आईटीआर की संख्या में 7.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, 72 प्रतिशत इनकम टैक्स रिटर्न नई टैक्स रिजीम के तहत भरे गए हैं। इसमें 58.57 लाख पहली बार इनकम टैक्स रिटर्न जमा करने वाले थे, जो दिखाता है कि टैक्स बेस भारत में बड़ा हो रहा है।

फार्मास्युटिकल कंपनी में विस्फोट.....मरने वाले प्रत्येक परिवार को 1-1 करोड़

विशाखापट्टनम । आंध्र प्रदेश में फार्मास्युटिकल कंपनी एसेंटिया में हुए विस्फोट में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को एक करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है। फार्मा कंपनी में हुए विस्फोट में 17 लोगों की मौत हो गई और 33 घायल हो गए। विशाखापट्टनम के जिला कलेक्टर हरेनधीरा प्रसाद ने कहा कि विस्फोट में मारे गए प्रत्येक व्यक्ति के परिवार को 1 करोड़ रुपये की अनुग्रह राशि मिलेगी। उन्होंने कहा, विशेषज्ञों की एक टीम घटनास्थल का दौरा करेगी और दुर्घटना के कारणों का पता लगाएगी। बता दें कि आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली अच्युतपुरम में दोपहर करीब 2-15 बजे कंपनी एसेंटिया में यह हादसा हुआ। दवा कंपनी के प्लांट में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। इससे फार्मा यूनिट में काम करने वाले करीब 60 कर्मचारी आग की चपेट में आ गए, इसमें 17 कर्मचारियों की मौत हुई और 33 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। यह फार्मा कंपनी लगभग 40 एकड़ में फैली हुई है। एसेंटिया एडवांस्ड साइंस प्राइवेट लिमिटेड में एक हजार से ज्यादा लोग काम करते हैं। कंपनी ने अप्रैल 2019 में 200 करोड़ रुपये के निवेश से उत्पादन शुरू किया था। यह आंध्र प्रदेश इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (एपीआईआईसी) के बहु-उत्पाद विशेष आर्थिक क्षेत्र (सीइजेड) में अच्युतपुरम क्लस्टर में स्थित है।

बांग्लादेश को भारत का दो टूक जवाब, बाढ़ की स्थिति का कारण हम नहीं

नई दिल्ली। बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। पड़ोसी देश ने इसका ठीकरा भारत पर फोड़ा। भारत ने इसे खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने अपने में कहा कि हमने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि बांग्लादेश की पूर्वी सीमा पर स्थित जिलों में बाढ़ की मौजूदा स्थिति त्रिपुरा में गुमटी नदी के ऊपर डंबूर बांध के खुलने के कारण हुई। यह तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और बांग्लादेश से होकर बहने वाली गुमटी नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में पिछले कुछ दिनों भारी बारिश हुई। बांग्लादेश में बाढ़ मुख्य रूप से बांध के नीचे की ओर बड़े जलग्रहण क्षेत्रों के पानी के कारण है। डंबूर बांध सीमा से काफी दूर है। यह बांग्लादेश से 120 किलोमीटर ऊपर स्थित है। त्रिपुरा और बांग्लादेश के आसपास के जिलों में बुधवार से भारी बारिश हो रही है। भारी बाढ़ की स्थिति में स्वचालित रूप से पानी छोड़ा जाता है। अमरपुर स्टेशन द्विपक्षीय प्रोटोकॉल का हिस्सा है, जिसके तहत भारत-बांग्लादेश को वास्तविक समय में बाढ़ के आंकड़े भेज रहा हैं। 21 अगस्त 2024 को तीन बजे तक के बांग्लादेश को बाढ़ के बढ़ते रुझान को दर्शाने वाले आंकड़े भेजे गए। 6 बजे बाढ़ के चलते बिजली गुल हो गई, जिससे संचार में समस्याएं पैदा हो गईं। फिर भी भारत ने संचार बनाए रखने की कोशिश की। भारत और बांग्लादेश के बीच आम नदियों में बाढ़ एक समस्या है, जिससे दोनों देशों के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अलकायदा के 14 आतंकी गिरफ्तार

▶▶ दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को बड़ी कामयाबी

▶▶ उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत 03 प्रदेशों में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आज गुरुवार को 14 आतंकियों को हिरासत में लिया है। इस बड़ी कामयाबी के हाथ लगने के साथ ही दिल्ली पुलिस ने आतंकियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। पुलिस टीम ने एसटीएफ की मदद से उत्तर प्रदेश, झारखंड और राजस्थान की अलग-अलग जगहों से अलकायदा के 14 आतंकियों को हिरासत में लिया है।

गिरफ्तार किए गए आतंकियों के कब्जे से पुलिस ने भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद जब्त किया है। पुलिस ने राजस्थान के भिवाड़ी से 06 आतंकी, जबकि झारखंड और उत्तर प्रदेश से 08 आतंकियों को हिरासत में लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार अलकायदा मॉड्यूल से जुड़े 14 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। सभी संदिग्ध विभिन्न राज्यों से हैं, जिसका मुखिया झारखंड के डॉक्टर इश्तियाक को बताया गया है। इस गिरफ्तारी के साथ ही फिलहाल विभिन्न जगहों पर पुलिस एसटीएफ की मदद से छापामारी में लगी हुई है। इस कार्रवाई में और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। अपेक स्थानों से जब्त हथियार, गोला-बारूद और कुछ साहित्य को लेकर भी चर्चाएं आम हो चली हैं। पुलिस का आतंकियों के खिलाफ अभियान जारी है।

झारखंड में एके-47 के साथ आधा दर्जन से अधिक आतंकी गिरफ्तार

रांची। झारखंड पुलिस के एटीएस ने हजारीबाग, लोहरदगा सहित कई अन्य जिलों में एक दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान एटीएस आतंकी संगठन अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेन्ट (एक्यूआईएस) से जुड़े सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक एके-47 सहित कुछ अन्य हथियारों की बरामदगी की भी सूचना है। आतंकियों से मिले दस्तावेजों और उपकरणों की प्रारंभिक जांच से पता चला है कि ये लोग अलकायदा इंडियन सब कॉन्टिनेन्ट का विस्तार कर इससे युवाओं को जोड़ने, उन्हें कट्टरपंथी बनाने, भारत में शरिया कानून स्थापित करने और बांग्लादेश के खिलाफ युद्ध छेड़ने जैसे विषयों पर काम कर रह थे। एक्यूआईएस अफगानिस्तान, पाकिस्तान, भारत, बर्मा और बांग्लादेश में सक्रिय है। यह पहली बार नहीं है, जब झारखंड में आतंकी संगठनों से जुड़े लोग पकड़े गए हैं। झारखंड एटीएस ने आधिकारिक तौर पर इन गिरफ्तारियों के बारे में खुलासा नहीं किया है। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए संदिग्ध आतंकियों के पास से कई दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी जब्त किए गए हैं। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बीते साल अक्टूबर में आईएसआईएस के तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें से दो शाहनवाज आलम और रिजवान अशरफ झारखंड के रहने वाले हैं। इनमें से एक शाहनवाज आलम एनआईए का मोस्ट वांटेड था और उस पर तीन लाख रुपए का इनाम घोषित था। वह हजारीबाग शहर के पगमिल-पेलावल का रहने वाला है। एनआईए और एटीएस की जांच में पहले भी यह बात सामने आई है कि झारखंड के रांची, जमशेदपुर, हजारीबाग, रामगढ़, लोहरदगा, पाकुड़, गढ़वा और गिरिडीह जिले में आतंकियों के स्लीपर सेल सक्रिय हैं।

पीएम मोदी ट्रेन से जाएंगे यूक्रेन, रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने करेंगे चर्चा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

पीएम नरेंद्र मोदी आज यानी गुरुवार को पोलैंड यात्रा पूरी करने के बाद यूक्रेन जाएंगे। पीएम मोदी रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच वहां जा रहे हैं। भारत हमेशा से युद्ध नहीं शांति की बात करता रहा है। चाहे वह इजरायल-हमास युद्ध ही क्यों ना हो। पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा से भी यही आस लगी है कि क्या मोदी यह युद्ध खत्म करने की कोशिश करेंगे। बता दें कि पीएम मोदी ने इससे पहले इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की। दुनिया में युद्ध के बीच भारत शांति की अलख जगाने वाले देशों में सबसे आगे है। अब सवाल यह उठने लगा है कि क्या भारत दोनों जंग को खत्म करा देगा। इससे पहले पीएम मोदी ने 16 अगस्त को इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात की थी। उन्होंने एक्स पर खुद ही इसकी जानकारी भी दी थी। नेतन्याहू के साथ बातचीत के दौरान पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। फोन पर बातचीत के दौरान सभी बंधकों की तत्काल रिहाई, युद्ध विराम और मानवीय सहायता की जरुरत पर जोर दिया गया। गौरतलब है कि भारत कई वैश्विक मंचों पर युद्ध को बातचीत के जरिए हल करने की कोशिश करता रहा है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को अमेरिका भेजकर पीएम मोदी अमेरिका से लेकर पुतिन तक को साधना चाह रहे हैं। अमेरिका शुरू से ही रूस-यूक्रेन जंग में यूक्रेन के साथ और इजरायल-हमास जंग में इजरायल का साथ दे रहा है। ऐसे में भारत अमेरिका से लेकर रूस और इजरायल सबको साधना चाहता है।

हालांकि भारत अपने शांति के संदेश के साथ खड़ा है। बुधवार को पोलैंड यात्रा पर पीएम मोदी ने अपने भाषण में कहा कि भारत बुद्ध की विरासत का घर हैज्भारत युद्ध में नहीं शांति में यकीन रखता है और इसीलिए भारत इस क्षेत्र में भी शांति की वकालत करता है। भारत का रुख साफ है कि यह युद्ध का समय नहीं है। यह समय एकजुट होकर पूरी मानव जाति के लिए खतरा पैदा करने वाली चुनौतियों से लड़ने का है और इसीलिए भारत कूटनीति और संवाद पर जोर दे रहा है।

पीएम मोदी आज यानी 22 अगस्त को देर शाम स्पेशल ट्रेन से यूक्रेन की राजधानी कीव रवाना होंगे। पीएम मोदी करीब सात घंटे कीव में रहेंगे। इस दौरान पीएम मोदी यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात करेंगे। उम्मीद की जा रही है कि भारत और यूक्रेन के बीच अहम रक्षा सौदों पर समझौते भी होंगे और युद्ध विराम पर भी चर्चा हो सकती है।

बदलापुर की घटना पर उद्धव का 24 को महाराष्ट्र बंद का ऐलान

मुंबई । (एजेंसी)

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित बदलापुर में स्कूल में बच्चियों से यौन उत्पीड़न के बाद फैली हिंसा पर अब राज्य में राजनीति हो रही है। शिवसेना (यूबीटी) के चीफ और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने इस घटना के विरोधी में 24 अगस्त को महाराष्ट्र बंद का ऐलान किया है। सीएम एकनाथ शिंदे की सरकार इसकी जांच कर रही है कि कहीं ये हिंसा प्रायोजित नहीं थी। उद्धव ने कहा कि यह घटना राजनीति से प्रेरित नहीं है, बल्कि महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराधों के लिए कड़ी सजा सुनिश्चित करने के लिए एकता का आह्वान है। उद्धव ने कहा, महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ अपराध पर राजनीति को गुस्से में देखने वाले लोग विकृत मानसिकता के हैं। पूर्व सीएम ने साफ किया कि बदलापुर की घटना में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई में देरी के कारण लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा, अगर स्कूल प्रबंधन और पुलिस ने लड़कियों के माता-पिता की शिकायत के बाद समय पर कार्रवाई की होती, तब स्थिति इतनी खराब नहीं होती। उद्धव ने महाराष्ट्र बंद को गैर-राजनीतिक बताकर महाराष्ट्र के लोगों से इसमें बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा, हम सभी को एकजुट होने की जरूरत है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस तरह की सोच वाले लोगों को सख्त सजा दी जा सके। दोषियों के मन में सख्त सजा का डर होना चाहिए। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने आंदोलन को राजनीति से प्रेरित बताने पर मुख्यमंत्री शिंदे की आलोचना की। ठाकरे ने महिलाओं के कल्याण के लिए एक सरकारी पहल का जिक्र करते हुए कहा, मुख्यमंत्री को पहले महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए और फिर लड़की बहन योजना लानी चाहिए।

डॉक्टरों का अनिश्चितकालीन धरना जारी, मांगें पूरी होने का कर रहे इंतजार

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद से ही देशभर के डॉक्टरों का गुस्सा फूट पड़ा है। ये मामला बीते कई दिनों से गर्माया है। देशभर में रेजिडेंट डॉक्टर इस घटना के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं। वहीं दिल्ली में रेजिडेंट डॉक्टरों का अनिश्चितकालीन धरना गुरुवार को भी जारी रहा है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने प्रदर्शनकारियों से काम पर लौटने का अनुरोध किया था। विरोध प्रदर्शन के चलते दिल्ली के अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं

। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले मंगलवार को इस मामले में स्वत- संज्ञान लिया। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों और अन्य स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की सुरक्षा देने के लिए एक प्रोटोकॉल तैयार करने के लिए टास्क फोर्स का गठन किया। वाइस एडमिरल आरती सरीन की अध्यक्षता वाली दस सदस्यीय टास्क फोर्स को तीन सप्ताह के अंदर अपनी अंतरिम रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। हालाँकि, कुछ डॉक्टर्स एसोसिएशनों ने टास्क फोर्स की संरचना पर असंतोष जताया है। उन्होंने कहा कि हम टास्क फोर्स के सदस्यों के चयन के आधार को नहीं समझ पा रहे हैं। इसमें रेजिडेंट डॉक्टरों का प्रतिनिधित्व होना चाहिए था, जिसकी हम वकालत करते रहे हैं। इसमें सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रोफेसरों का भी प्रतिनिधित्व होना चाहिए, क्योंकि हिंसा की घटनाएं मुख्य रूप से सरकारी अस्पतालों में होती हैं, निजी अस्पतालों में नहीं। इस बीच, अखिल भारतीय चिकित्सा महासंघ ने एनटीएफ की सिफारिशों के लागू होने तक डॉक्टरों के लिए अंतरिम सुरक्षा की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष चल रही कार्यवाही में हस्तक्षेप की मांग करते हुए याचिका में कहा गया है कि डॉक्टरों को अक्सर हिंसा और उनकी सुरक्षा खतरे की घटनाओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि रेजिडेंट डॉक्टरों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो, क्योंकि वे नियमित आधार पर वास्तविक समय की समस्याओं का सामना कर रहे हैं। याचिका में अस्पताल और छात्रावास के प्रवेश और निकास द्वार और गलियारे क्षेत्रों सहित सभी संवेदनशील क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की है।

फोरेंसिक रिपोर्ट : संजय ही है ट्रेनी डॉक्टर के रेप व हत्या का दोषी

कोलकाता। (एजेंसी)

कोलकाता के अस्पताल में रेप व हत्या मामले में सीबीआई ने फोरेंसिक रिपोर्ट की जांच से यह पता चला है कि संजय रॉय ने पीड़िता का दुष्कर्म किया और फिर हत्या की। डीएनए निष्कर्षों ने भी संजय की संलिप्तता पाई गई है। वहीं सीबीआई ने माना है कि इस मामले में पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष से चूक हुई है। कोलकाता हत्याकांत मामले में देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। सीबीआई ने इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में स्टेट्स रिपोर्ट दाखिल की है। इस बीच एक मीडिया चैनल को स्टेट्स रिपोर्ट को लेकर बड़ी जानकारी मिली है। सीबीआई द्वारा अब तक की गई जांच में मृतका

के रेप और हत्या में केवल संजय रॉय ही शामिल है। हालांकि जांच अभी जारी है। सीबीआई ने फोरेंसिक रिपोर्ट देखी है। अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि संजय रॉय ने ही पीड़िता का रेप किया और फिर हत्या की थी। सीबीआई ने सीसीटीवी फुटेज भी देखी है, जिसमें संकेत मिलता है कि अपराध संजय ने किया। सीबीआई ने अटॉप्सी रिपोर्ट का भी विश्लेषण किया है। सीबीआई जांच में यह बात सामने निकलकर आई है कि यह रेप और हत्या का मामला है न कि गैंगरेप का. हालांकि, सीबीआई ने अभी तक और लोगों की संलिप्तता और गैंगरेप के सिद्धांत पर अपनी जांच पूरी नहीं की है। सीबीआई इस पर आखिरल राय लेने के लिए स्वतंत्र फोरेंसिक रिपोर्ट विशेषज्ञों की मदद ले सकती है।

राहुल गांधी ने बैठक कर कश्मीर में सीट शेयरिंग पर की चर्चा

दो दिवसीय जम्मू-कश्मीर दौरे पर

श्रीनगर। (एजेंसी)

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान नेताद्वय ने नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा की है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही कांग्रेस नेता सक्रिय भूमिका में दिख रहे हैं। इसके चलते कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे 21 अगस्त की शाम श्रीनगर पहुंचे। यहां राहुल व खड़गे के साथ बैठक में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग पर बुधवार को चर्चा की गई है। कांग्रेस, एनसी के साथ गठबंधन की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है। ऐसे में फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला से भी राहुल-खड़गे की मुलाकात तय मानी जा रही है। आज गुरुवार शाम 4 बजे राहुल-खड़गे जम्मू में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। इसके बाद ही वो कश्मीर से दिल्ली रवाना होएंगे। इसी बीच प्री-पोल अलायंस के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला से भी मुलाकात हो सकती है। सूत्रों की मानें तो कांग्रेस अध्यक्ष तारिक हामिद कर्रा ने एनसी महासचिव अली मोहम्मद सागर के साथ बैठक की है। इस बैठक में कांग्रेस ने कश्मीर से 12 सीटों की मांग रखी है। वहीं जम्मू में एनसी को भी इतनी ही सीटें देने की बात कही गई है। यह अलग बात है कि अभी सीट शेयरिंग को लेकर कोई बात बनती नहीं दिख रही है।

राहुल ने लिया झेलम किनारे कश्मीरी फूड

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार बुधवार शाम राहुल गांधी और खड़गे श्रीनगर के मशहूर अहदूस रेस्टोरेंट में डिनर करने पहुंचे थे। इस जगह को कश्मीरी खान-पान का केंद्र कहा जाता है। इस रेस्टोरेंट में बैठने वालों को झेलम नदी का नजारा भी दिखाई देता है। राहुल गांधी के अचानक पहुंचने पर पोलो व्यू

रेसिडेंसी रोड एरिया स्थित रेस्टोरेंट के कर्मचारी और वहां मौजूद सभी लोग काफी हैरान नजर आए थे। इस दौरान रेस्टोरेंट के चारों ओर कड़ी सुरक्षा का इंतजाम किया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

भारत बंद का संदेश

दलित और आदिवासी संगठनों द्वारा बुधवार को आयोजित भारत बंद का देश के अनेक क्षेत्रों में मिला-जुला असर दिखा है। आरक्षण को लेकर इन संगठनों की सजगता की तारीफ करनी चाहिए। यह यथोचित ही है कि ये संगठन नौकरियों, शिक्षा में हाशिये पर खड़े समुदायों के व्यापक प्रतिनिधित्व की मांग पर जोर दे रहे हैं। अपने सांविधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ही उन्होंने भारत बंद का आयोजन किया। इन संगठनों की चिंता पर कान देने के साथ ही इनकी आशंकाओं को दूर करने की जरूरत है। केंद्र सरकार ने बिना समय गंवाए ऐसा किया भी है, पर सत्ता पक्ष के बारे में जो आरक्षण विरोधी छवि बनाने की चेष्टा विगत महीनों में हुई है, शायद वह काम कर रही है। यह गौर करने की बात है कि केंद्र सरकार द्वारा स्थिति स्पष्ट किए जाने के बावजूद विपक्ष ने दलित-आदिवासी संगठनों का पूरा साथ दिया है। नतीजतन, देश में जहां-जहां दलितों और आदिवासियों की बहुलता है, वहां-वहां भारत बंद का असर ज्यादा दिखा है। कहीं यातायात में बाधा पड़ी, तो कहीं प्रदर्शनकारियों में उग्रता भी दिखी। उत्तर प्रदेश के अनेक शहरों में मार्च निकाला गया है। बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने भी बंद को अपना समर्थन दिया, तो अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी भारत बंद का समर्थन किया। कुछ जगहों पर पुलिस को भी सख्ती दिखानी पड़ी, लेकिन इस बार पुलिस को एक सबक भी मिला है। बिना सोचे-समझे लाठी चला देने की उसकी आदत ने पुलिस की जगहंसाई कराई है। बिहार में पटना के एसडीएम पर एक पुलिसकर्मी ने बंद समर्थक समझकर लाठीचार्ज कर दिया। यह गलती पुलिस वालों को याद रहनी चाहिए। पुलिस के पास ताकत है, पर यह ताकत जनता की भलाई के लिए इस्तेमाल हो, तो ही प्रशंसा की जा सकती है। क्या प्रदर्शनकारियों को समझाया नहीं जा सकता था? यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अनेक बड़े अधिकारियों ने पुलिस को अनुशासित रखने के लिए कुछ भी नहीं किया है। पुलिस की गुणवत्ता के बारे में सभी को पता है। अधिकारियों को इस बात का एहसास होना चाहिए कि पुलिस सुधार कितना जरूरी है। निहत्थे लोगों पर लाठी का प्रयोग भी अंतिम विकल्प ही है। कोई भी सभ्य समाज किसी भी महकमे को लाठी भांजने की इजाजत नहीं देता। साथ ही, प्रदर्शनकारियों को भी शिकायत की गुंजाइश नहीं छोड़नी चाहिए। अपनी मांग रखना, शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना उनके सांविधानिक अधिकारों के तहत आता है, पर दूसरों को होने वाली परेशानी नजरंदाज नहीं होनी चाहिए। पुलिस के साथ ही प्रदर्शनकारियों से भी शालीनता और सभ्यता की उम्मीद की जाती है। अब यह बहुत जरूरी हो गया है कि आरक्षण के बारे में फैल रही भ्रांतियों को दूर किया जाए। व्यवस्था के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ करना ठीक नहीं है। अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) समूहों के लिए कोटा के भीतर कोटा या आरक्षण के उप-वर्गीकरण के मामले को जल्दी से सुलझा लेना चाहिए। संसद से न्यायालय तक आरक्षण के विषय पर ऐसा कोई भी हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए, जिससे प्रभावित लोगों की भावनाएं आहत होती हों। आरक्षण सबके लिए चिंता का विषय है, पर यहां उग्रता की नौबत नहीं आनी चाहिए। जो भी बदलाव किए जाने हैं, वे समाज को पूरे विश्वास में लेकर ही किए जाने चाहिए।

आज का राशीफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आपके वर्चस्व तथा प्रभाव में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

वृषभ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

मिथुन प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। आर्थिक लाभ होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

कर्क पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समाचार मिलेगा। रोजी रोजगार के प्रयास सफल होंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता से रुके हुए कार्य सम्पन्न होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

तुला पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

वृश्चिक आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। व्यावसायिक दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। विरोधियों का पराभव होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। आर्थिक संकट से गुजरना होगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कुम्भ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन आगमन होगा। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

जलवायु परिवर्तन से पीने योग्य नहीं रहेगा भूजल

मुकुल व्यास

दुनिया में लगभग हर चार में से एक व्यक्ति जीवित रहने के लिए पृथ्वी की सतह के नीचे मौजूद जलाशयों पर निर्भर है क्योंकि साफ पानी की झीलों, नदियों और बांधों तक सभी लोगों की पहुंच नहीं है। वैज्ञानिकों ने चेताया है कि सदी के अंत तक लाखों लोग पानी की इस मामूली आपूर्ति से भी वंचित हो सकते हैं क्योंकि बढ़ते तापमान के कारण उथले भूजल के विषाक्त होने का खतरा है। शोधकर्ताओं की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम ने वैश्विक तापमान वृद्धि के विभिन्न परिदृश्यों के तहत दुनिया भर में भूजल स्रोतों के तापमान परिवर्तनों को सटीक संख्या में बताने के लिए ऊष्मा परिवहन का एक विश्व-स्तरीय मॉडल विकसित किया है। सबसे खराब स्थिति में, 2100 में लगभग 59 करोड़ लोग ऐसे जल स्रोतों पर निर्भर हो सकते हैं जो पीने योग्य पानी के लिए सबसे कड़े मानकों को पूरा नहीं करते हैं। इस समय गर्मी की लहरें, बर्फ की पिघलती हुई टोपियां और समुद्रों का बढ़ता स्तर नियमित रूप से सुर्खियां बटोर रहे हैं। लेकिन हमारा ध्यान भूमि पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की तरफ नहीं जाता। जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करते हुए हमारा फोकस मौसम की घटनाओं और पानी की उपलब्धता पर रहता है। लेकिन हमें भूजल पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के बारे में अधिक व्यापक रूप से सोचने की आवश्यकता है। यह सच है कि हमारे पैरों के नीचे की चट्टान और मिट्टी की परतें समुद्री जल की गर्मी को अवशोषित करने की क्षमता से मेल नहीं खाती हैं। फिर भी,यह आश्चर्यजनक है कि भूजल के गर्म होने के परिणामों पर इतना कम ध्यान दिया गया है, खासकर जब पानी की कमी और रिचार्ज (पुनर्भरण) दर पर इतनी अधिक चर्चा होती है। सतह के ठीक नीचे छिद्रपूर्ण चट्टानों के भीतर फंसा पानी घुले हुए खनिजों, प्रदूषकों और संभावित रोगजनकों से भरा हो सकता है। लेकिन बहुत बड़ी आबादी के समक्ष इस प्रदूषित जल पर निर्भर रहने के सिवाय और कोई विकल्प नहीं है। इन भूमिगत जलाशयों को सिर्फ़ एक या दो डिग्री गर्म करने से परिणाम भयावह हो सकते हैं। इससे पर्यावरण में ऑक्सीजन की कमी हो सकती है और खतरनाक बैक्टीरिया के विकास को बढ़ावा मिल सकता है,या आर्सेनिक और मैंगनीज जैसी भारी धातुओं की अत्यधिक मात्रा पानी मे घुल सकती है। इस अध्ययन की मुख्य लेखिका और जर्मनी के कार्लश्रु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की भू-विज्ञानी सुजैन बेंज के अनुसार दुनिया मे पहले से ही लगभग 3 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं,जहां भूजल पीने के पानी के सख्त दिशा-निर्देशों में निर्धारित तापमान से ज्यादा गर्म है। इसका मतलब है कि बिना ट्रीटमेंट के वहां का पानी पीना सुरक्षित नहीं है। आसपास पर्याप्त आकार के सतही जलाशयों वाली आबादी के लिए भी गर्म भूजल उन प्रमुख कारकों को बदल सकता है जो पानी को मानव उपभोग के लिए सुरक्षित रखते हैं। 7.7 करोड़ से 18.8 करोड़ लोगों के ऐसे क्षेत्र में रहने का अनुमान है जहां भूजल 2100 तक पीने योग्य मानकों को पूरा नहीं कर पाएगा। इस अध्ययन के नतीजे बताते हैं कि भूजल की रक्षा के लिए कार्रवाई करना और भूजल पर जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव का मुकाबला करने के लिए स्थायी समाधान खोजना कितना आवश्यक है।इस बीच, जलवायु परिवर्तन से संबंधित एक अन्य अध्ययन में वैज्ञानिकों ने दुनिया में मीथेन उत्सर्जन में वृद्धि पर चिंता व्यक्त की है। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, लोगों की गिरती सेहत, गायब होती बर्फ की चादरों और अप्रत्याशित मौसम के रूप में जलवायु परिवर्तन की बड़ी चेतावनियां हमें लगातार मिल रही हैं। फिर भी हम वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती मात्रा को उत्सर्जित कर रहे हैं। इससे हमारा अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। विशेषज्ञों की एक अंतर्राष्ट्रीय टीम द्वारा किए गए एक नए अध्ययन में बताया गया है कि 2006 से वैश्विक मीथेन उत्सर्जन बढ़ रहा है। 2020 से इसमें तेजी आई है। यदि हम बहुत जल्द कुछ कठोर कदम नहीं उठाएंगे तो उत्सर्जन की यह प्रवृत्ति जारी रहेगी। नए अध्ययन के शोधकर्ताओं ने मीथेन उत्सर्जन रोकने के लिए रणनीतियां तैयार की हैं जिनका उपयोग विभिन्न देश उचित कार्रवाई करने के लिए कर सकते हैं। इसमें मदद करने के लिए उन्होंने एक ऑनलाइन टूल भी विकसित किया है। शोधकर्ताओं का कहना है कि मीथेन उत्सर्जन में यह निरंतर वृद्धि मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन के लगातार उपयोग के कारण है।

मीथेन सीधे तेल,गैस और कोयले की ड्रिलिंग और प्रोसेसिंग द्वारा उत्पादित होती है। अब एक नई बात यह है कि गर्म जलवायु के कारण प्राकृतिक आर्द्रभूमि से मीथेन का बढ़ता उत्सर्जन ग्रीनहाउस गैसों में वृद्धि कर रहे हैं। लैंडफिल, पिघलते हुए पर्माफ्रॉस्ट (स्थायी तुषार भूमि) और पशुधन से भी मीथेन का उत्पादन होता है। अमेरिका में ड्यूक विश्वविद्यालय के जलवायु विशेषज्ञ ड्रू शिंडेल का कहना है कि फिलहाल इन स्रोतों से उत्सर्जन में योगदान मामूली है। हालांकि इन पर भी बारीकी से नज़र रखने की ज़रूरत है। शोधकर्ताओं ने अपने पेपर में लिखा है कि जलवायु परिवर्तन को सीमित करने के लिए दुनियाभर के प्रयास मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड पर केंद्रित हैं। चूंकि मानव जाति कई दशकों से जलवायु परिवर्तन को पर्याप्त रूप से निपटने में विफल रही है, इसलिए अब वार्मिंग को तय लक्ष्यों से नीचे रखने के लिए हमें सभी प्रमुख जलवायु प्रदूषकों पर अंकुश लगाने पड़ेंगे। इस समय हमारे वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में मीथेन की मात्रा बहुत कम है,लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मीथेन एक अधिक शक्तिशाली ग्रीन हाउस गैस है। हम जानते हैं कि दुनिया के गर्म होने में मीथेन का भी एक बड़ा योगदान है जो कार्बन डाइऑक्साइड की तरह ही गर्मी को कैद करती है। यह जमीन पर ओजोन के निर्माण में भी योगदान देती है, जिससे श्वसन संबंधी बीमारियों और हृदय रोगों के कारण मृत्यु का जोखिम बढ़ जाता है। अध्ययन में पाया गया है कि इन सभी मीथेन स्रोतों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्बन डाइऑक्साइड में कमी लाने के लक्ष्यों के साथ-साथ मीथेन में कमी के लक्ष्यों को भी लागू किया जाना चाहिए। इसके लिए नई प्रौद्योगिकियों और नीतियों को लागू करने की आवश्यकता है। शोधकर्ताओं ने लिखा है कि इस दशक में मीथेन उत्सर्जन में तेजी से कमी लाना निकट भविष्य में गर्मी को धीमा करने और कम वार्मिंग के कार्बन बजट को पहुंच के भीतर रखने के लिए आवश्यक है। कार्बन बजट से अभिप्राय प्रति व्यक्ति कार्बन डाइऑक्साइड की औसत मात्रा से है, जिसे वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 सेल्सियस तक सीमित रखने के लिए उत्पादित किया जा सकता है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

देश में सुरक्षा का वातावरण नहीं है आखिर क्यों? सोचना चाहिए

(लेखक - एल.एस. हरदेनिया)

कोलकता में एक महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म किया गया और उसकी हत्या भी कर दी गई। यह अत्यधिक दुखद घटना है। इसके विरोध में पूरे देश के डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्यकर्मी आक्रोश प्रकट कर रहे हैं। डॉक्टरों के साथ यह पहली घटना नहीं है। डॉक्टर अब सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम मांग रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी सुरक्षा के लिए केन्द्रीय सरकार कानून बनाए। यहाँ यह बताना आवश्यक होगा कि पूरे देश में इस समय असुरक्षा की भावना है। समाज का कोई भी ऐसा वर्ग नहीं जो अपने को असुरक्षित महसूस नहीं कर रहा हो। यहां तक कि वे भी अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं जिन पर दूसरों को सुरक्षा देने की जिम्मेदारी है। आखिर क्यों? शायद इसलिए कि लोगों में अब कानून का भय खत्म हो गया है। प्रसिद्ध शासकीय अधिकारी श्री एम. एन. बुच (जो अब नहीं हैं) बताते थे कि जब वे बैतूल में कलेक्टर थे किसी विषय को लेकर एकाएक बड़ी भीड़ इकट्ठा हो गई। भीड़ ने आक्रामक रूप ले लिया। जिस स्थान पर भीड़ थी और अपना रोष प्रकट कर रही थी, उस स्थान पर पुलिस का एक ही सिपाही था। उसने भीड़ के लिए एक रेखा खींच दी और और कहा कि जो इस रेखा को पार करेगा उसे सख्त कानून का सामना करना पड़ेगा। उसकी इस चेतावनी का असर हुआ और भीड़ आगे नहीं बढ़ पाई।

लॉ एंड आर्डर अथोरिटी अधिकारियों का ऐसा ही दबदबा हुआ करता था। अब तो आए दिन यह खबरे मिलती हैं कि रेत खनन माफिया ने बड़े अधिकारी पर हमला किया। जब उसने उनके विरूद्ध चोरी कर रेत ले जाने का अपराध कायम किया। अभी तक कई बड़े-बड़े अधिकारी खनन माफिया के शिकार हो चुके हैं। अनेक कॉलेजों में और स्कूलों में आए दिन शिक्षकों पर हमले होते हैं। कुछ दिन पहले उज्जैन में सरेआम एक शिक्षक की हत्या कर दी गई। अभी हाल में भोपाल के एक कॉलेजों के संचालक पर दिन-दहाड़े हमला कर दिया गया। हमला करने वाले विद्यार्थी परिषद से संबंधित थे। विद्यार्थी परिषद इस समय के सत्ताधारी पार्टी से संबंधित हैं। रेलवे में यदि टीआई टिकट का पूछता है तो उस पर हमला कर दिया जाता है। अतिक्रमण कर अनेक लोग मकान बना लेते हें। जब अधिकारी उनको हटाने जाते हैं तो उन पर हमला कर दिया जाता है। बिजली का बिल नहीं देने पर बिजली बोर्ड के अधिकारी उस क्षेत्र की बिजली काटने जाते हैं तो उन्हें मारकर भगा दिया जाता है। बैंक का कर्ज वसूल करने के लिए यदि टीम जाती है तो उसे मोहल्ले में प्रवेश नहीं दिया जाता है। महिलाओं के साथ आए-दिन दुष्कर्म हो रहे हैं। जब अपराधी को गिरफ्तार करने की कोशिश की जाती है तो इसी तरह की प्रतिक्रिया होती है और प्रभावशाली व्यक्ति उस अपराधी की रक्षा में खड़े हो जाते हैं।

अभी हाल में एक भाजपा के विधायक ने सांसदों को गाली (चूतिया कहा) दी और कहा कि इन्हें संसद से बाहर कर दिया जाये। अभी तक उसके खिलाफ क्या कार्यवाही की गई पता नहीं है। बिहार की राजधानी पटना में विरोधी दल के बड़े नेता इकट्ठा हुए थे। भाजपा ने इस घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि पटना में चोरों का सम्मेलन हो रहा है।

कुल मिलाकर यदि वास्तविक हिंसा नहीं तो एक-दूसरे के बारे में हम हिंसक भाषा का उपयोग कर रहे हैं। इसे कैसे रोका जाए? यदि डॉक्टर के साथ हिंसा जारी रही तो फिर रोगियों का क्या होगा। कोलकता की घटना के पीछे क्या तथ्य हैं यह पता नहीं लगा है। परंतु जो समाज को संचालित करते हैं और जिनका समाज पर दबदबा रहना चाहिए यदि वे ही ऐसी स्थिति में आ जाएं कि वे असामाजिक तत्वों से डरें और अपना कर्तव्य निर्वहन न कर पाएं तो पूरे समाज में अराजकता फैल जाएगी। ब्रिटेन में पुलिस का इतना दबदबा है कि साधारणतः असामाजिक तत्व अपना सिर नहीं उठा पाते हैं। अमरीका में भी असामाजिक तत्वों को भी डर कर रहना पड़ता है। वहां न्याय की प्रक्रिया अत्यधिक द्रुत गति से चलती है। अभी कुछ दिन पहले वहां के एक काले नागरिक को गौरे पुलिस वाले ने मारडाला था। उसका अपराध द्रुत गति से तय हुआ और उसे आवश्यक सज़ा दी गई। हमारे देश में तो बरसों लग जाते हैं एक अपराधी को दंडित करने में। हमारे वर्तमान देश के मुख्य न्यायाधीष श्री चंद्रचूड़ इस संबंध में अनेक बार चिंता प्रकट कर चुके हैं। परंतु फिर भी स्थिति में कोई सुधार नहीं है।

सुरक्षा अकेली डॉक्टरों की नहीं पूरे समाज की आवश्यक है। यह कैसे संभव हो इस पर पूरे देश को विचार करना आवश्यक है। वैसे जहां तक डॉक्टरों की सुरक्षा का सवाल है आम लोगों में डॉक्टरों की प्रतिष्ठा में काफी कमी आई है। आम लोगों का चिंतन है कि डॉक्टर साधारणतः उनसे ज्यादा वसूली करते हैं। इस समय तो जो डॉक्टर अपने को प्रतिष्ठित समझते हैं उनमें से बहुसंख्यक ने अपनी कंसल्टेशन फीस 1000/- रूपए तक कर दी है। फिर कई किस्म की जाँचों को करवाना भी आवश्यक बता देते हैं। इनमें खून की जांच, एक्स-रे और भी अनेक किस्म की जांचे शामिल हैं।

स्वर्गीय बाबूलाल गौर एक किस्सा बताते थे। चुनाव में उनके विरोध में भोपाल के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉक्टर बिसारिया चुनाव लड़ रहे थे। वे मतदाताओं से संपर्क कर रहे थे। जब वे एक वरिष्ठ मतदाता के पास पहुंचे और उनसे वोट देने का अनुरोध किया तो उस मतदाता ने कहा कि मेरा वोट आपको उसी समय मिलेगा जब आप मुझे 200 रूपये देंगे। बिसारिया जी ने उस मतदाता से पूछा कि वोट देने के लिए पैसे की मांग तो मैं पहली बार सुन रहा हूँ। इस पर उस मतदाता ने कहा कि जब मैं आपके पास अपनी बीमारी का इजाल करवाने गया तो आपने पहले 200 रूपए रखवा लिये थे और सिर्फ मेरी नाड़ी देखकर मेरा इलाज बता दिया था। इस पर डॉक्टर बिसारिया को हंसी आना स्वभाविक था। परंतु यह एक उदाहरण है कि आम आदमी डॉक्टरों के बारे में क्या रवैया रखता है। आए दिन अखबारों में इस तरह के लेख छपते हैं कि जितने लोग डॉक्टरों के इलाज से ठीक होते हैं उतने ही लोग डॉक्टरों द्वारा गलत प्रिस्क्रिप्शन बताने से मरते हैं। फिर दवाईयों की कीमतों में अनापशनाप पैसा वसूल होता है। कुल मिलाकर आम आदमी के लिए इलाज उसकी पहुंच से बाहर हो गया है। यहां पर मैं दो अद्भुत उदाहरण देना चाहूंगा।

इंदौर में एक जाने-माने डॉक्टर थे। वे अपनी परामर्श फीस के रूप में सिर्फ 16 रूपए लेते थे। उनका ज्ञान भी अद्भुत था। भारी संख्या में लोग उनके पास इलाज के लिए जाते थे। एक मौका ऐसा आया जब इंदौर के अनेक डॉक्टरों ने उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी परामर्श फीस बढ़ा दें परंतु वे अपनी फीस पर कायम रहे। इसी तरह इंदौर के कम्युनिस्ट नेता होमीदाजी थे उनकी बेटी थी रोशनी। वह मोस्को से मेडिकल शिक्षा लेकर आई थी। उसने अपना क्लीनिक इंदौर की एक गरीब बस्ती में खोला और परामर्श शुल्क के रूप में वह सिर्फ 5 रूपए लेती थी। दुर्भाग्य से कुछ दिनों में उसकी कैंसर की बीमारी से मृत्यु हो गई। कुल मिलाकर यदि डॉक्टर आम जनता का ख्याल रखें तो जनता ही उनकी रक्षा करेगी। भोपाल में आँख के एक बड़े डॉक्टर थे संतोष सिंह। उनका कोई रोगी निरोग होकर अपने गाँव जाना चाहता था तो वे उससे पूछते थे कि जाने के लिए तेरे पास किराया है? यदि वह कहता था कि नहीं तो प्रायः वे अपनी पॉकेट से उसको पैसे दे देते थे। दवाईयां तो वह प्रायः मुफ्त दिया करते थे। इन सारे तथ्यों के बावजूद डॉक्टरों को सुरक्षा की आवश्यकता है और शासन को उसे उपलब्ध करवाना चाहिए।

विचार मंथन

सेबी प्रमुख माधवी बुच के बाद रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास चर्चाओं में

(लेखक- सनत जैन/)

हिडेनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद सेबी प्रमुख माधवी बुच की नियुक्ति और उनके एक औद्योगिक परिवार से रिश्तों को लेकर देश की राजनीति में भूचाल आया हुआ है। विपक्ष जेपीसी से जांच की मांग पर अड़ा हुआ है। सरकार अभी तक इस मामले में मौन है। राजनीतिक हल्कों में अब रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास भी चर्चाओं में आ गए हैं। 8 नवंबर 2016 को सरकार ने 500 और 1000 रूपये के नोट तत्काल प्रभाव से प्रचलन से बाहर किए थे। नोटबंदी के समय कहा गया था, कि देश में जो कालाधन है, वह नोटबंदी के बाद समाप्त होगा। कालाधन 500 और 1000 रूपये के नोटों में एकत्रित करके रखा गया है। कालाधन समाप्त होने से आतंकवादी एवं नक्सलवादी गतिविधियों पर विराम लगेगा। जाली नोटों से छुटकारा मिलेगा। कालाधन पूरी तरह से समाप्त हो जाएगा। नोटबंदी लागू होने के 6 माह पहले से ही इसकी कार्ययोजना गुप्त रूप से तैयार की जा रही थी। इसकी जानकारी मंत्रिमंडल को भी नहीं थी। नोटबंदी के निर्णय में जिनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी, उनमें प्रधानमंत्री के मुख्य सचिव नृपेंद्र मिश्रा, वित्त सचिव अशोक लवासा और आर्थिक मामलों के सचिव शक्तिकांत दास प्रमुख थे। 8 नवंबर को जब नोटबंदी की गई थी। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दावा किया था, देश का कालाधन पूरी तरह से समाप्त होगा। आतंकवादी और नक्सली वारदात खत्म होंगी। जाली नोट शत-प्रतिशत समाप्त हो जाएंगे। देश की अर्थव्यवस्था बेहतर होगी। भ्रष्टाचार खत्म होगा। नोटबंदी के कुछ माह पश्चात उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव थे। 1000 और 500 रूपये के नोट बंद होने से वहां गैर भाजपा दल ढंग से चुनाव नहीं लड़ पाए। भाजपा ने उत्तर प्रदेश का चुनाव बहुमत के साथ जीता। केंद्र सरकार ने इसे नोटबंदी की जीत बताया। नोटबंदी के समय सरकार ने जो दावे किए थे, उसका कोई भी लक्ष्य सरकार प्राप्त नहीं कर पाई। 99 फ़ीसदी से अधिक 1000 और 500 रूपये के नोट रिज़र्व बैंक में वापस आ गये। आतंकवादी और नक्सली घटनाओं की गतिविधियों में कोई विशेष कमी नहीं आई। कालाधन भी सरकार खत्म नहीं कर पाई। रिजर्व बैंक अभी तक इसका आंकड़ा जारी नहीं कर पाया है। रिजर्व बैंक ने 1000 और 500 के जो नोट जारी किए थे, उसमें कितने नोट वापस आए। उल्टे नोटबंदी के बाद देश में जो कालाधन था, वह बैंकों के माध्यम से व्हाइट मनी के रूप में परिवर्तित हो गया। सारा कालाधन व्हाइट मनी के रूप में परिवर्तित होकर शेयर बाजार के माध्यम से कमाई करने का नया जरिया बन गया। नोटबंदी के बाद से शेयर बाजार दिन-दूनी, रात चौगुनी गति से बढ़ता चला गया। नोटबंदी के समय उर्जित पटेल रिजर्व बैंक के गवर्नर थे। वह नोटबंदी के निर्णय से इतना घबराये, उन्होंने समय पूर्व इस्तीफा दे दिया। 2019 तक उर्जित पटेल का कार्यकाल था, लेकिन उन्होंने 10 दिसंबर 2018 को इस्तीफा दे दिया। भारत सरकार ने उनके स्थान पर शक्तिकांत दास को भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बना दिया। शक्तिकांत दास भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। इतिहास विषय से उन्होंने ग्रेजुएट किया था। 1980 में वह भारतीय प्रशासनिक सेवा तमिलनाडु कैडर के अधिकारी हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा के रूप में उनकी पद स्थापना अधिकांश समय वित्त विभाग से संबंधित विभागों में होती रही है। रिजर्व बैंक का गवर्नर 3 साल के लिए बनाया जाता है। संतुष्ट होने पर सरकार पुनः तीन साल के लिए कार्यकाल बढाती है। 11 दिसंबर 2018 से शक्तिकांत दास रिजर्व बैंक के गवर्नर हैं। 10 दिसंबर 2024 तक उनका कार्यकाल रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में रहेगा। रिजर्व बैंक गवर्नर के पद पर बैंकिंग सेवाओं से जुड़े हुए अधिकारियों की ही नियुक्ति होती रही है। सरकार बाहर से अर्थशास्त्रियों को लाकर रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाती रही है। डॉ मनमोहन सिंह, सी रंगराजन, विमल जालान, रघुराम राजन, उर्जित पटेल सभी अर्थशास्त्री थे। शक्तिकांत दास भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। केंद्र सरकार द्वारा माधवी बुच को पहले सेबी में डायरेक्टर के पद पर नियुक्ति की गई। उसके बाद उन्हें सेबी का प्रमुख बना दिया गया। हिंडनबर्ग की जो रिपोर्ट आई है। उसके अनुसार माधवी बुच और उनके पति की कंपनी का एक औद्योगिक समूह के साथ रिश्ता चर्चाओं में आ गया है। औद्योगिक समूह के इशारे पर उन्हें सेबी में लाया गया था। अब इसी तरह से रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास,जो नोटबंदी के मामले में नोटबंदी लागू होने के,पहले से ही आर्थिक मामले के प्रमुख होने से जुड़े हुए थे। पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल के इस्तीफा देने के बाद सरकार ने उन्हें रिजर्व बैंक का गवर्नर बना दिया। दूसरा कार्यकाल भी शक्तिकांत दास को दिया गया। नोटबंदी में हुई गड़बड़ियों में शक की सुई, रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की ओर घूमने लगी है।

कॉरपोरेट सेक्टर में घटते जा रहे हैं रोजगार, 4.2 फ़ीसदी की गिरावट

नई दिल्ली । भारत के कारपोरेट सेक्टर में रोजगार के अवसर लगातार कम होते चले जा रहे हैं। पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष 2023-24 में रोजगार 4.2 फ़ीसदी घटकर मात्र 1.5 फ़ीसदी पर आ गया है। 2022-23 में रोजगार की दर 5.7 फ़ीसदी थी,जो अब घटकर 1.5 फ़ीसदी रह गई है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की ओर से बुधवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। वर्ष 2022-23 में 3.33 लाख लोगों को रोजगार मिला था। पिछले वर्ष में यह संख्या घटकर 90840 रह गई है। रिपोर्ट में 1196 बड़े और मध्यम आकार की कंपनियों के रोजगार डाटा का विश्लेषण करने के बाद यह जानकारी सामने आई है। भारतीय उद्योग जगत में रोजगार वृद्धि का परिदृश्य बड़ी तेजी के साथ नकारात्मक होता जा रहा है। 2022-23 में पहली बार हायर ग्रोथ देखने को मिली थी। 2023-24 में यह नकारात्मक रूप से देखने को मिल रही है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने जो रिपोर्ट जारी की है। उसमें 603 कंपनियों के सर्वे के आधार पर जारी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार रिटेल, सेल्स, ट्रेडिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और रियल्टी सेक्टर में रोजगार मिला है। वही हॉस्पिटैलिटी, लॉजिस्टिक्स, बिजनेस सर्विस और टेक्सटाइल में नौकरियां घटी हैं। जो रोजगार के लिए चिंता का विषय है।

इंडिगो इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित जुर्माने को देगी चुनौती

नई दिल्ली । एयरलाइन कंपनी इंडिगो इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) से संबंधित, उस पर कुल 3,50,299 रुपये का जुर्माना लगाने वाले दो आदेशों को चुनौती देगी। कंपनी पर ओडिशा में माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के मामले में 1,77,046 रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इंडिगो की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि अपीलीय प्राधिकारी ने कंपनी द्वारा दायर अपील को खारिज कर दिया है और वित्त वर्ष 2017-18 के लिए इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने के कारण मांग को बरकरार रखा है। कंपनी ने कहा कि वह अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष आदेश को चुनौती देने की प्रक्रिया में है। एक अन्य मामले में केरल में कंपनी को 1,73,253 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। इसमें कहा गया है कि कर अधिकारी ने इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित उसके दावे को खारिज कर दिया है। इस मामले में कंपनी ने कहा कि वह उचित अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष आदेश को चुनौती देने की प्रक्रिया में है।

सेबी ने आईआईएफएल पर ठोका 11 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर ब्रोकर नियम और अन्य रेग्युलेटरी मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए ब्रोकरेज कंपनी आईआईएफएल पर 11 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड (आईआईएफएल) ब्रोकरेज कंपनी होने के लिए जरूरी नियमों को पूरा करती है या नहीं यह देखने के लिए सेबी ने कंपनी का निरीक्षण किया था। यह निरीक्षण अप्रैल से जुलाई, 2022 तक की अवधि के लिए किया गया था। इसके बाद नियामक ने 15 अप्रैल, 2024 को आईआईएफएल सिक्योरिटीज को कारण बताओ नोटिस जारी किया। सेबी ने 35 पन्नों के अपने आदेश में कहा कि नोटिस प्राप्तकर्ता ने क्लाइंट के फंड्स और सिक्योरिटीज के मासिक और तिमाही निपटान के संबंध में कारण बताओ नोटिस में लगाए गए आरोपों को स्वीकार किया है, जिनमें कहा गया है कि इसमें कुछ तकनीकी कमी थी। सेबी की एक अधिकारी ने आदेश में कहा` कि मुझे लगता है कि सर्कुलर में ब्रोकरों को खातों का निपटान करने और समय पर विवरण जारी करने का विशेष निर्देश दिया गया है। हालांकि, नोटिस प्राप्तकर्ता ऐसा करने में विफल रहा।

पेटीएम ने निदेशकों के वेतन में की कटौती

- मानदेय की अधिकतम सीमा 48 लाख रुपये की गई

नई दिल्ली ।

पेटीएम के निदेशक मंडल ने 12 सितंबर को होने वाली अपनी वार्षिक आम बैठक से पहले वेतन में संशोधन करने का` निर्णय` लिया है। कंपनी के एक बयान में कहा गया है कि नया प्रस्तावित पारिश्रमिक ढांचा शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन होगा। इससे पहले, पेटीएम के बोर्ड के गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशकों, जिनमें अशित रंजीत लीलानी भी शामिल हैं, का वार्षिक वेतन 1.65 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया, जबकि गोपालसमुद्रम श्रीनिवासराघवन सुंदरराजन का वेतन 2.07 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया। संशोधित पारिश्रमिक ढांचे के साथ, प्रत्येक गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक का मानदेय 48 लाख रुपये तक सीमित होगा, जिसमें 20 लाख रुपये का एक निश्चित हिस्सा होगा। अच्छे प्रशासन को सुनिश्चित करने के लिए परिवर्तनीय हिस्से को बैठकों में उपस्थिति और बोर्ड की विभिन्न समितियों में आयोजित अध्यक्ष, सदस्यता पदों से जोड़ा जाएगा। संशोधित पारिश्रमिक संरचना 1 अप्रैल 2024 से

प्रभावी होगी। कंपनी की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार नई पारिश्रमिक संरचना कंपनी द्वारा किए गए बेंचमार्किंग पर आधारित है, जिसमें सुशासन प्रथाओं और समान क्षेत्रों या समान बाजार पूंजीकरण वाले व्यवसाय के प्रकारों में कंपनियों को ध्यान में रखा गया है। यह निर्णय बोर्ड के सदस्यों की इस प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है कि कंपनी वित्तीय रूप से भविष्य के लिए तैयार रहे बनी ताकि यह लाभ में रहने के अपने इच्छित रास्ते पर बढ़ती रहे।

डॉबर इंडिया अपना विर्निर्माण संयंत्र तमिलनाडु में स्थापित करेगी: मंत्री

चेन्नई ।

तमिलनाडु सरकार ने दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुएं बनाने वाली कंपनी डाबर इंडिया के राज्य के विल्लुपुरम जिले में 400 करोड़ रुपये खर्च कर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने की गुरुवार को घोषणा की। राज्य के उद्योग मंत्री टी.आर.बी. राजा ने कहा कि इसके लिए गुरुवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। राजा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, डाबर इंडिया तमिलनाडु में आपका स्वागत है। बल्कि दक्षिण भारत में आपका स्वागत है। राज्य के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की उपस्थिति में विल्लुपुरम जिले के तिंडिवनम में एसआईपीसीओटी फूड पार्क में डाबर के साथ दक्षिण भारत में उसका पहला विश्व स्तरीय विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि कंपनी इस सुविधा में 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिससे 250 से अधिक नौकरियों का सृजन होगा। राजा ने कहा` कि इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे आसपास के डेल्टा क्षेत्र के किसानों के लिए कृषि उत्पाद बेचने के नए अवसर खुलेंगे।

नेविल टाटा ने स्टार बाजार प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला

ईशा अंबानी को टक्कर देंगे नेविल! रिटेल मार्केट में मचाएंगे धमाल

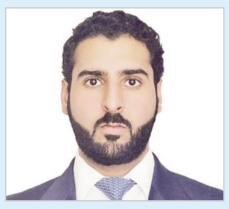

नई दिल्ली । देश के प्रमुख औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप में नई पीढ़ी ने नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालनी शुरू कर दी है। 32 वर्षीय नेविल टाटा ने स्टार बाजार के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है, जो टाटा ग्रुप की रिटेल कंपनी ट्रेंट लिमिटेड की हाइपरमार्केट यूनिट है। नेविल ट्रेंट लिमिटेड के चेयरमैन नोएल टाटा के बेटे हैं। नोएल ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एमेरिटस रतन टाटा के सौतेले भाई हैं। नेविल ग्रुप की ग्रोसरी रिटेल सब्सिडियरी ट्रेंट हाइपरमार्केट के बोर्ड में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में शामिल थे। सूत्रों के मुताबिक एग्जीक्यूटिव रोल मिलने के बाद उन्होंने इस पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने बताया कि नेविल कुछ साल पहले टाटा ग्रुप के हाइपरमार्केट बिजनेस से जुड़े थे लेकिन फिर पढ़ाई के लिए विदेश चले गए। ट्रेंट लिमिटेड अपने हाइपरमार्केट बिजनेस को अगले ग्रोथ ड्राइवर के रूप में देख रही है। पी वेंकटेसलू ट्रेंट लिमिटेड के सीईओ हैं। ट्रेंट में वेस्टसाइड, जूडियो और जारा भी हैं। बेयस बिजनेस स्कूल के छात्र रहे नेविल 2016 में ही ट्रेंट लिमिटेड का हिस्सा बन गए थे। उन्होंने कंपनी के पैकेज्ड फूड और बेवरेजेज का नेतृत्व किया। उसके बाद उन्होंने जुडियो को मैनेज किया। आज यह देश के सबसे बड़े एपेरल ब्रांड्स में से एक है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 148 , निफ्टी 41 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आज कारोबार के दौरान बैंकिंग और उपभोक्ता क्षेत्र की एफएमसीजी कंनपियों के शेयरों में उछाल आया। व्यापक बाजारों में, मिड और स्मॉल-कैप इंडेक्स बढ़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 147.89 अंक करीब 0.18 फीसदी बढ़कर 81,053.19 अंक पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.30 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 24,811.50 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। भारती एयरटेल, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और एशियन पेंट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्लयू स्टील, मारुति, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, इंफोसिस, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, एलएंडटी, बजाज फाइनैंस और एचयूएल के शेयर भी उछले।

दूसरी ओर सेंसेक्स के 13 शेयर ही गिरावट पर बंद हुए। टाटा मोटर्स, एमएंडएम, एनटीपसीसी, टीसीएस और पावर ग्रिड सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, रिलायंस और एचसीएल टेक के शेयर भी गिरे। वहीं बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक धारणाओं के कारण घरेलू बाजार में हल्की बढ़त दर्ज की गई। वहीं एशियाई बाजारों में, टोक्यो, सियोल और हांगकांग बढ़त के साथ बंद हुए जबकि शंघाई में गिरावट रही। दोपहर के कारोबार में

यूरोपीय बाजार महत्वपूर्ण लाभ के साथ कारोबार कर रहे थे। गत दिवस अमेरिकी शेयर बाजारों में बढ़त रही।

गत दिवस बाजार हल्की बढ़त पर बंद हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई। बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 हरे निशान में खुले। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ताजा बैठक की मिनट्स में ब्याज दर में कटौती की संभावना के संकेतों से बाजार में उत्साह देखा गया। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 191.35 अंकों की छलांग लगाकर 81,096.65 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 ने 62.25 अंक चढ़कर 24,832.45 का स्तर छू लिया। बाजार में यह तेजी अमेरिकी केंद्रीय बैंक की ओर से साल के भीतर एक बार ब्याज दर में कटौती की उम्मीदों के चलते आई है।

कोल इंडिया महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए प्रयासरत: अधिकारी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) घरेलू बाजार और विदेशों में लिथियम समेत महत्वपूर्ण खनिजों के अधिग्रहण के लिए प्रयास कर रही है। यह बात हाल ही में कोल इं डिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कही। कंपनी ने कहा है कि वह ऐसे ब्लॉक की नीलामी में भाग लेना जारी रखेगी। लीथियम समेत महत्वपूर्ण खनिज, पवन टर्बाइन से लेकर इलेक्ट्रिक कारों तक स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इलेक्ट्रिक कारों के लिए बैटरी के उत्पादन के लिए इनकी खास तौर पर मांग है। कोल इंडिया के एक अे धिकारी ने कंपनी की 50वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान कहा` कि लीथियम, कोबाल्ट जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से कंपनी भारत और विदेशों में इन खनिज परिसंपत्तियों के अधिग्रहण के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सीआईएल खान मंत्रालय द्वारा पेश किए गए महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी में भाग लेना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि सीआईएल ने घरेलू महत्वपूर्ण खनिज परिसंपत्ति में सफलतापूर्वक अपना खाता खोला है और मध्य प्रदेश के अलीराजपुर जिले में खट्टाली छोटी ग्रेफाइट ब्लॉक के लिए पसंदीदा बोलीदाता के रूप में उभरी है। यह कंपनी का पहला गैर-कोयला खनिज खनन उद्यम होगा। यह उपलब्धि खान मंत्रालय द्वारा नौ जुलाई को आयोजित द्वितीय चरण की नीलामी के तहत हासिल की गई। उन्होंने कहा कि

सीआईएल का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि देश में कोयले की कोई कमी न हो और इसे शुष्क ईंधन के मामले में आत्मनिर्भर बनाया जाए। देश के कुल कोयला उत्पादन में कोल इंडिया का हिस्सा 80 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि कंपनी देश के नागरिकों को उचित मूल्य पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए गुणवत्ता वाले कोयले का उत्पादन और आपूर्ति बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीसी जिंदल समूह अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में करेगा प्रवेश

नई दिल्ली ।

बीसी जिंदल समूह ने भारत के अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र में प्रवेश करने की गुरुवार को घोषणा की। उसने कहा कि इसमें अगले पांच साल में 2.5 अरब अमेरिकी डॉलर निवेश किया जाएगा। कंपनी के बयान के अनुसार ओडिशा के अंगुल में 1,200 मेगावाट ताप विद्युत उत्पादन के मौजूदा खंड के साथ बीसी जिंदल समूह ने उसके अक्षय उद्यम के लिए एक समर्पित इकाई की स्थापना की है। बयान में कहा गया, समूह अगले पांच वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में करीब 2.5 अरब डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहा है। भारत का अग्रणी समूह बीसी जिंदल समूह अक्षय ऊर्जा उत्पादन और सौर सेल व मॉड्यूल विनिर्माण व्यवसायों की देखरेख करेगा। इसमें कहा गया, जिंदल इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी (जेआईआरई) का लक्ष्य सौर, पवन, हाइब्रिड और एफडीआरई मोड से पांच गीगावाट बिजली उत्पन्न करना है। जेआईआरई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि भारत की वर्तमान ऊर्जा आवश्यकता को पूरा करने के लिए ब्राउन एनर्जी अब भी प्रमुख हैं। हमारा लक्ष्य अपनी मौजूदा बिजली कंपनी की ताकत का लाभ उठाकर अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रमुख इकाई के तौर पर काम करना है। जेआईआरई, बीसी जिंदल समूह के अंतर्गत काम करती है। इसकी स्थापना 1952 में बीसी जिंदल ने की थी।

मुनाफे में आने रूपरेखा तैयार, अभी इलेक्ट्रिक कार बनाने की योजना नहीं: ओला

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी ने अधिक उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला के ऊर्ध्वाधर एकीकरण और घरेलू स्तर पर उत्पादित सेल के आधार पर मुनाफा कमाने के लिए रूपरेखा बनाई है। कंपनी के अे धिकारी ने कहा कि हालांकि इलेक्ट्रिक कार बनाने की योजना फिलहाल टाल दी गई है। उन्होंने हाल ही में मी डिया से कहा कि कंपनी ऐसे उत्पाद बनाएगी जिनकी भारतीयों को जरूरत है, जिनमें से अधिकतर दोपहिया तथा तिपहिया वाहन हैं। कंपनी ने पिछले सप्ताह इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल खंड में प्रवेश किया था। उन्होंने कहा, हमने दिखाया है कि तेज वृद्धि के साथ निवेश करके भी, आप मुनाफे में सुधार कर सकते हैं। कर पूर्व आय से लेकर कर पश्चात आय तक के लिए लाभप्रदता की रूपरेखा तैयार की गई है। हमारे पास दो या तीन रणनीतियां हैं, जिन पर हम लगातार काम कर रहे हैं, जो आने वाली तिमाहियों में मुनाफे में सुधार लाएंगी। उन्होंने ओला इलेक्ट्रिक की लाभप्रदता पर पूछे गए एक सवाल के दौरान कहा` कि कंपनी के शेयर की कीमत 76 रुपये के सूचीबद्ध मूल्य से दोगुना होना चिंता का विषय बना हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सेल लाभप्रदता की रूपरेखा का केन्द्र बिन्दु है, चूंकि हमारे सेल उत्पादन का इस्तेमाल हमारे अपने उत्पादों में होने लगेगा, इसलिए अगले वर्ष के प्रारम्भ तक हमारे मुनाफे में भी काफी वृद्धि होगी। ओला इलेक्ट्रिक ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही से अपने वाहनों में भारत 4680 सेल को एकीकृत करने की योजना की पहले ही घोषणा की है।

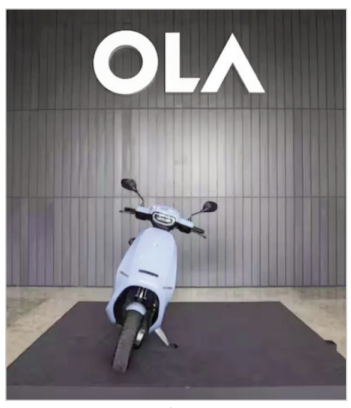

हालांकि, उन्होंने कहा कि कंपनी ने लाभ में आने के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 77 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। वै श्विक बाजार में गुरुवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.26 डॉलर की उछाल के साथ 76.11 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहींवेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.33 डॉलर लुढ़ककर 74.04 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल

89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

पंजाब के मुख्यमंत्री भारतीय कंपनियों के प्रमुख अधिकारियों से मिले

मुंबई ।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने महाराष्ट्र के अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कई भारतीय कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की और अपने पंजाब के लिए कई प्रमुख निवेश प्रस्तावों पर मुहर लगाई। सन फार्मास्यूटिकल्स, आरपीजी ग्रुप, सिफी टेक्नोलॉजीज और जेएसडब्ल्यू ग्रुप जैसे प्रमुख कॉरपोरेट उन कंपनियों में से थे, जिन्होंने पंजाब में निवेश करने या वहां अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की। मान से मुलाकात करने वाले शीर्ष उद्यमियों में सन फार्मास्यूटिकल्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक्टिव फार्मास्यूटिकल्स इंग्रीडिएंट्स बिजनेस के सीईओ दामोदरन सतगोपन, आरपीजी ग्रुप के उपाध्यक्ष अनंत गोयनका, सिफी टेक्नोलॉजीज के अध्यक्ष दलीप कौल और जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड के बिजनेस प्रमुख अमरजीत सिंह दहिया और शामिल थे। उद्योगों के लिए रेड कारपेट बिछाने की पेशकश करते हुए मुख्यमंत्री ने पंजाब को अवसरों से भरपूर बताया और कंपनियों को वहां निवेश करने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राज्य तेजी से देश में एक औद्योगिक केंद्र के रूप में उभर रहा है और अपने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए नए विचारों और नवाचारों को अपनाने के लिए तत्पर है। मान ने कहा कि पंजाब में पूर्ण सामाजिक सद्भाव, शांति और सौहार्द है, जो मुख्य रूप से राज्य में समग्र विकास और समृद्धि के लिए जिम्मेदार है। राज्य हर क्षेत्र को निर्बाध बिजली प्रदान करने के अलावा उत्कृष्ट बुनियादी ढांचा, कुशल मानव संसाधन और सर्वोत्तम औद्योगिक और कार्य संस्कृतियां प्रदान करता है जो उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में अपने व्यवसाय का विस्तार करने में सक्षम बनाएंगी।

चीन की मदद से सस्ते दाम में फैशन प्रोडक्ट्स बेचेंगे अंबानी

टाटा को टक्कर देने ली चाइनीज कंपनी से मदद

नई दिल्ली । देश के जाने-माने उदयोगपति मुकेश अंबानी अब अपने ग्राहकों को सस्ते दाम में फैशन प्रोडक्ट्स बेचने की लड़ाई में हैं। लेकिन इस मुकाबले में मुकेश अंबानी एक बहुत पुराने समूह से मात खा रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि उन्होंने चीन की कंपनी से मदद ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टाटा समूह की रिटेल यूनिट ट्रेंट लिमिटेड की वैल्यूएशन 165 अरब डॉलर की है। इसकी बिक्री महामारी से पहले के स्तरों के मुकाबले डॉलर के हिसाब से तीन गुना हो गई है। ट्रेंट का शुद्ध लाभ 12 गुना बढ़ा है। जूडियो कंपनी का इन-हाउस फास्ट-फैशन ब्रांड है जो युवा ग्राहकों के बीच ट्रेंड में चल रहे कपड़े सस्ती कीमतों के साथ बेचने के लिए फेमस हो गया है। चार साल पहले, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में जूडियो के 80 स्टोर थे। पिछले तिमाही में, यह संख्या 164 शहरों में लगभग 560 तक पहुंच गई। उन जगहों पर जहां किराया वाजिब है, तेजी से इन्वेंट्री टर्नओवर देखने को मिला। इसका मतलब है कि कम मार्जिन पर भी ज्यादा मुनाफा देखने को मिला। यह सब अंबानी के लिए एक समस्या बन गई है। पेट्रोकेमिकल्स के बादशाह, टेलीकॉम के दिग्गज और मीडिया के अग्रणी होने के अलावा, 67 वर्षीय अंबानी भारत के सबसे बड़े व्यापारी भी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले वर्ष अपनी रिटेल यूनिट में 2 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। इतना ही नहीं, रिलायंस रिटेल ने महामारी के दौरान मध्य पूर्व और सिंगापुर के सॉवरेन वेल्थ फंड्स से, जनरल अटलांटिक और सिल्वर लेक पार्टनर्स के साथ, 6 बिलियन डॉलर से अधिक जुटाए। पिछले साल, इसने कतर इंवेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी इंवेस्टमेंट अथॉरिटी और केकेआर एंड कंपनी से 100 बिलियन डॉलर की वैल्यूएशन पर और भी धन जुटाए। अब अंबानी का पहला काम है इस इकाई को एक धमाकेदार आईपीओ या स्पिनऑफ की ओर ले जाना। इसके लिए उन्हें फास्ट-फैशन का ताज जरूर ही चाहिए। बता दें कि एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी ने इस साल अपने बेटे की शादी के लिए 60 करोड़ डॉलर का भव्य समारोह आयोजित देश-विदेश में खूब सुर्खियां बटोरी थी।

लॉर्ड्स में पहली बार होगा भारत बनाम इंग्लैंड महिला टेस्ट

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने गुरुवार को घोषणा की कि ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान 2026 में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जाने वाले महिला टेस्ट की मेजबानी करेगा। यह पहली बार होगा जब यह मैदान इन दोनों टीमों के बीच टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा। ईसीबी ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि जुलाई 2025 में भारत और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के बाद भारतीय टीम 2026 में एकमात्र टेस्ट के लिए वापस आएगी। भारतीय टीम अगले साल 28 जून से 12 जुलाई के बीच 5 मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेगी। टीम इसके बाद क्रमशः 16 (साउथम्पटन), 19 (लंदन) और 22 जुलाई (चेस्टर ली स्ट्रीट) को 3 मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी।

ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रिचर्ड गौल्ड ने कहा कि मुझे इस बात की भी खुशी है कि भारतीय महिला टीम 2026 में लॉर्ड्स में पहले महिला टेस्ट मैच में इंग्लैंड की महिला टीम से भिड़ने के लिए वापसी करेंगी। यह वास्तव में एक विशेष अवसर होगा। ईसीबी ने कहा कि यह भी पुष्टि की गई है कि भारतीय टीम 2026 में लॉर्ड्स में एकमात्र टेस्ट मैच के लिए वापस आएगी। इस मैदान पर इन दोनों टीमों के बीच खेले जाने वाला यह पहला टेस्ट मैच होगा।

इंग्लैंड की महिलाओं ने पिछले 3 वर्षों से लॉर्ड्स में सफेद गेंद वाले मैच खेले हैं, अगले साल एक और मैच निर्धारित है, लेकिन यह पहली बार होगा जब मैदान महिला टेस्ट मैच में भारत की मेजबानी करेगा। भारतीय टीम ने अपनी सरजमीं पर पिछले साल दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बाद इस साल जून-जुलाई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी सरजमीं पर खेले गए टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की है। भारत ने इंग्लैंड में अपना पिछला टेस्ट मैच 2021 में ब्रिस्टल में खेला था। यह मैच ड्रॉ पर छूटा था।

द्रविड़, अगरकर और जय शाह की रही भारतीय टीम की टी20 विश्व कप जीत में अहम भूमिका : रोहित

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक दशक के बाद टी20 विश्व कप में मिली जीत का श्रेय पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और बीसीसीआई सचिव जय शाह को दिया है। रोहित ने कहा कि इनकी बेहतरीन योजनाओं के कारण ही टीम आईसीसी खिताब हासिल कर पायी। इसका कारण है कि इन तीनों ने ही परिणामों की चिंता किए बिना खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के प्रयास किये थे।

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने जून में हुए विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर दूसरी बार ये खिताब जीता है। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2007 में ये खिताब जीता था। रोहित ने साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष अंतरराष्ट्रय क्रिकेटर चुने जाने के बाद कहा, ''इस टीम को बदलना और आंकड़ों, परिणामों के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करना, यह तय करना मेरा सपना था कि हम ऐसा माहौल बनाएं जहां लोग मैदान पर जाकर ज्यादा निडर होकर खेल सकें। '' उन्होंने कहा, ''इसी की हमें जरूरत थी। इस प्रकार के सारे अधिकार उन्हें द्रविड़, शाह और अगरकर से मिले थे। साथ ही कहा कि जीत इसलिए मिली क्योंकि सभी खिलाड़ियों ने समय-समय पर सही से अपनी जिम्मेदारी निभाई।

अफगानिस्तान ने इस भारतीय को बनाया सहायक कोच, 2001 से की थी कोचिंग करियर की शुरुआत

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने भारत के पूर्व क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर को अपनी टीम का सहायक कोच बनाया है। वह न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के होने वाली सीरीज में टीम के साथ जुड़ेंगे।

अफगानिस्तान को सितंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक टेस्ट मैच और फिर दक्षिण अफ्रीका के साथ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेलनी है। टेस्ट मैच भारत के ग्रेटर नोएडा तो एकदिवसीय सीरीज शारजाह में खेली जाएगी। श्रीधर लेवल-3 सर्टिफाइड कोच हैं। एसीबी ने कहा है कि भविष्य में श्रीधर का अनुबंध लंबे समय बढ़ाया जा सकता है।

नब्बे के दशक में हैदराबाद के लिए बतौर बाएं हाथ के स्पिनर खेलने वाले श्रीधर ने अपने कोचिंग करियर की शुरुआत 2001 में की थी। वह 2014 अंडर-19 विश्व कप के समय में भारत की जूनियर टीम से जुड़े। इसी वर्ष उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में किंग्स इलेवन पंजाब की टीम के साथ भी काम किया। इसके बाद वह 2014 से 2021 तक लगातार सात सालों तक भारतीय टीम के क्षेत्ररक्षण कोच रहे।

इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय टीम, बीसीसीआई ने जारी किया पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का शेड्यूल

मुम्बई (एजेंसी)। 2025 के लिए भारत के इंग्लैंड दौरे का कार्यक्रम गुरुवार को घोषित किया गया जिसमें पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स के हेडिंग्ले में खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक्स पर कार्यक्रम की घोषणा की। बीसीसीआई ने ट्वीट किया, 'घोषणा! 2025 में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए सटीमइंडिया के फिक्स्चर पर एक नजर।'

पांच मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट 2-6 जुलाई तक होगा जबकि तीसरा टेस्ट 10-14 जुलाई तक लंदन के प्रतिष्ठित लॉर्ड्स स्टेडियम में होगा। चौथा टेस्ट 23-27 जुलाई तक मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा जबकि अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल में होगा। यह सीरीज भारत के लिए बेहद अहम होगी क्योंकि उन्होंने 2007 के बाद से इंग्लैंड के खिलाफ अपनी सरजमीं पर कोई सीरीज नहीं जीती है। उन्होंने राहुल द्रविड़ की कप्तानी में थ्री लायंस पर 1-0 से जीत दर्ज की थी। यह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय प्रतियोगिताओं में से एक के रूप में भी काम करेगा।

भारत के पिछले इंग्लैंड दौरे के दौरान विराट कोहली की कप्तानी में अगस्त से सितंबर 2021 तक चार टेस्ट खेले गए थे, जिसमें भारत 2-1 से आगे चल रहा था। हालांकि कोविड-19 के कारण अंतिम मैच जुलाई 2022 के लिए पुनर्निर्धारित किया गया था। भारत ने वह मैच एजबेस्टन में जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में खेला था, जिसमें उसे सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था जिससे श्रृंखला 2-2 से बराबर हो गई और इंग्लैंड की कठिन परिस्थितियों में टेस्ट श्रृंखला जीतने का उनका सर्वश्रेष्ठ मौका चूक गया।

इस साल दोनों पक्षों के बीच खेली गई आखिरी टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड को भारत में भारत के हाथों 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था जिसमें कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम का क्रिकेट के प्रति 'बैजबॉल' दृष्टिकोण भारत के घरेलू वर्चस्व को तोड़ने में विफल रहा जिसमें कप्तान रोहित शर्मा, सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, स्पिनर रवींद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन का प्रभावशाली प्रदर्शन शामिल था। शुभमन गिल, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान और आकाश दीप जैसे कई युवा खिलाड़ियों ने भी इस बेहद रोमांचक श्रृंखला में चमक बिखेरी।

इशान अभी आईपीएल पर ही ध्यान दें : बासित

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने कहा है कि विकेकीपर बल्लेबाज इशान किशन को फिलहाल आईपीएल पर ही ध्यान देना चाहिये। बासित के अनुसार अभी इशात को भारतीय टीम में जगह मिलने की उम्मीद नजर नहीं आती है। इशान इस साल शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से ही टीम से बाहर हैं। टीम इंडिया में वापसी के लिए वह अभी बूची बाबू इंविटेशन टूर्नामेंट खेल रहे हैं। इसमें उन्होंने शतक लगया है पर जिस प्रकार भारतीय टीम में जगह के लिए मुकाबला है उसको देखने हुए उनकी उम्मीदें कम हैं। बासित ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी तक इशान की भारतीय टीम में वापसी नहीं हो सकती। इसके अलावा चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी उनका जगह मिलने की संभावना नजर नहीं आती है। ऐसे में इस बल्लेबाज को आईपीएल पर ही ध्यान देना चाहिये। इशान अभी रणजी ट्रॉफी सीजन में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। इशान ने आखिरी बार 2022 में फर्स्ट क्लास मैच खेला था। वह 2023 में रणजी ट्रॉफी से दूर रहे। इसी कारण क्रिकेट बोर्ड ने नाराज होकर उन्हें केन्द्रीय अनुबंध से भी बाहर कर दिया। साथ ही साफ कर दिया कि टीम में वापसी के लिए उन्हें घरेलू टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में कई रिकार्ड बना सकते हैं रुट

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट श्रीलंका के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में कई रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। वह इस सीरीज में 5,000 रन पूरे कर सकते हैं। रुट ने अब तक 56 टेस्ट मैचों की 100 पारियों में 49.97 की औसत से 4598 रन बनाए हैं। अब 5,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए उन्हें केवल 402 रनों की और जरुरत है। यदि रूट इस सीरीज में 402 रन बनाते हैं, तो वह आईसीसी विश्वक टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) में 5,000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। इससे पहले, उन्होंने डब्लयूटीसी में 4,000 रन बनाये थे। जो रूट के बाद दूसरे स्थान पर चल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन हैं, जिन्होंने अब तक 45 टेस्ट की 82 पारियों में 3904 रन बनाए हैं। यह आंकड़ा भी रूट के 4,000 रन के रिकॉर्ड के करीब नहीं है। वहीं भारत के रोहित शर्मा 2,552 रनों के साथ 8वें स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 2,235 रनों के साथ 14वें स्थान पर हैं। रूट के पास इसके अलावा और भी रिकॉर्ड बनाने का मौका है।

वापसी के बाद और भी घातक हुए बुमराह : साउदी

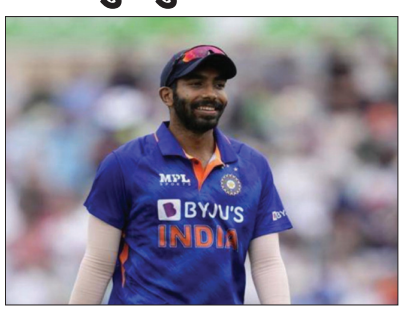

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउदी ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोट से उबरने के बाद और भी घातक गेंदबाजी करने लगे हैं। बुमराह ने आईसीसी टी20 विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन से विरोधी टीम के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया था। साउदी का मानना है कि बुमराह पीठ की चोट से वापसी के बाद से और भी अधिक खतरनाक हुए हैं। इस चोट के कारण बुमराह को पिछले साल अधिकतर समय मैदान से बाहर ही रहना पड़ा। बुमराह ने सितंबर 2022 में बाहर होने के बाद अगस्त 2023 में वापसी करते हुए कई सफलताएं हासिल की हैं। उन्हें हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने 'पिछले पांच-छह वर्षों में सारे प्रारुपों में खेलने वाला सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' करार दिया था। साउदी ने कहा, ''सबसे पहले तो बड़ी चोट से उबरकर वापसी करना और कई प्रारुपों में खेलना मुश्किल होता है पर इसके बाद भी बुमराह का प्रदर्शन बेहतर होता गया है। '' उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि वह आसानी से वापसी में सक्षम है। वह शायद अधिक अनुभवी है, अपने खेल को अच्छी तरह से समझता है। उसने चोट के बाद शानदार तरीके से वापसी की। हमने तीनों ही प्रारुपों में उसका जबरदस्त प्रदर्शन देखा है। मुझे नहीं लगता कि उनसे बेहतर कोई और है। ''

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम के लिए अहम होंगे पंत : मैथ्यू हेडन

मुंबई (एजेंसी)। महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को लगता है कि जब भारतीय टीम पांच टेस्ट की श्रृंखला के लिए आस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी तो ऋषभ पंत उसके लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे क्योंकि पिछले दौरे पर इस विकेटकीपर बल्लेबाज की जीत की भूख शानदार रही थी। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच यह पांच मैच की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी।

हेडन ने कहा, 'ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी के अंदर जीत की भूख है और उसकी 'मसल मेमरी' (प्रक्रियात्मक स्मृति) शानदार है। पिछली बार जब वह वहां खेला था तो वह अहम खिलाड़ी रहा था और ऑस्ट्रेलिया के दर्शकों को भी उसका खेल काफी पसंद आया था।'' उन्होंने कहा, 'पंत का खेल रोमांचक और बेहतरीन रहा था। फिर आपके पास अनुभवी खिलाड़ी जैसे विराट कोहली हैं जो फिर से अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे। बल्लेबाजी को देखते हुए मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि भारत आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर उससे भिड़ने के लिए किस तरह की रणनीति बनाएगा।'

पंत ने 2022 में गंभीर कार दुर्घटना के बाद क्रिकेट में सफल वापसी की, उन्होंने 2020-21 में आस्ट्रेलिया के दौरे पर भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया था जिसमें उन्होंने 97 और नाबाद 89 रन की शानदार पारियां खेलीं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे नाटकीय बदलावों में से एक में कई मुख्य खिलाड़ियों की कमी के बावजूद भारत ने आस्ट्रेलिया को हरा दिया था। मेहमान टीम ने शुरुआती एडिलेड टेस्ट में 36 रन पर ऑल आउट होने के बाद वापसी करते हुए 2-1 की जीत से लगातार दूसरी बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की।

कोहली को एडिलेड मैच के बाद निजी कारणों से स्वदेश लौटना पड़ा था जबकि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी समेत पांच अन्य खिलाड़ियों को चोट और फिटनेस संबंधी समस्याओं के कारण बाहर होना पड़ा था। हेडन ने कहा, 'भारतीय परिपेक्ष्य से यह चीज शानदार है कि पिछली जीत के दौरान उनके पास विराट कोहली नहीं थे। गाबा में जिस टीम ने जीत हासिल की थी, वह दूसरे दर्जे के गेंदबाजी लाइन अप वाली टीम थी।' उन्होंने कहा, 'उस तरह के आत्मविश्वास की आप इस भारतीय इकाई से उम्मीद कर सकते हैं जो हमारी सरजमीं पर जाकर कहे, हमने पहले भी ऐसा किया है, और हमने इसे अपने मुख्य खिलाड़ियों के बिना किया है जो किसी से कम नहीं है।'

वुड पर अधिक बोझ डालना नुकसानदेह होगा : बुचर

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मार्क बुचर ने कहा है वह तेज गेंदबाज मार्क वुड की फिटनेस को लेकर चिन्तित हैं। बुचर के अनुसार वुड सबसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं पर आने वाली सीरीज में उनपर जरुरत से ज्यादा दबाव डालना नुकसानदेह रहेगा। इसलिए उनके कार्यभार प्रबंधन का टीम को ध्यान रखना पड़ेगा। बुचर के अनुसार टीम में गस एटकिंसन और मैथ्यू पॉट्स जैसे नये गेंदबाजों के कारण वुड पर पहले ही अधिक दबाव रहेगा। बुड इस साल वैसे भी फिटनेस से जूझते रहे हैं। साल की शुरुआत में उन्हें बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके कारण वे कुछ समय के लिए बाहर हो गए थे। हालांकि उन्होंने मई में पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज से अच्छी वापसी की पर पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच के दौरान थकान के कारण उन्हें बाहर जाना पड़ा था। उन्होंने कहा कि श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में नये तेज गेंदबाज होने से वुड पर अतिरिक्त भार पड़ सकत है। बुचर ने कहा, चाहे वे अतिरिक्त ऑलराउंडर के साथ जाएं या नहीं, मुझे जो बात चिंतित करती है वह है वुड। मैं उसे चोटिल होते नहीं देखना चाहता, मैं उसे बहुत अधिक काम करते नहीं देखना चाहता। मैं यही कह रहा हूं कि वह एक टेस्ट मैच में बहुत अधिक काम कर सकता है। बुचर ने चोट को रोकने और पूरी सीरीज में उसकी प्रभावशीलता बनाए रखने के लिए वुड के कार्यभार को सावधानीपूर्वक प्रबंधित करने को कहा है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया जाता तो हमें वुड को खोना पड़ेगा और इंग्लैंड के लिए ये एक बड़ा झटका रहेगा।

मोहम्मद रिजवान के नाबाद 171 रन, पाकिस्तान की पारी 448-6 पर घोषित

खेल डैस्क। = पाकिस्तानी विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के रिकॉर्ड 171 रनों की बदौलत बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन पाकिस्तान ने 6 विकेट खोकर 448 रन पर अपनी पारी घोषित कर दी। पाकिस्तान के लिए सऊद शौकील ने भी 261 गेंदों पर 141 रनों का योगदान दिया। पाकिस्तान का इस बड़े स्कोर तक पहुंचना इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने पारी के पहले तीन विकेट महज 16 रन पर ही गंवा दिए थे। इस दौरान पाकिस्तान को सैम अयूब, सऊद शकील और रिजवान का साथ मिला। बांग्लादेश के लिए शौरीफुल इस्लाम और हसन महमूद 2-2 विकेट लेने में सफल रहे।

रिजवान का टेस्ट क्रिकेट में यह तीसरा शतक रहा। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 104 तो साऊथ अफ्रीका के खिलाफ नाबाद 115 रन बनाए थे। लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ रिजवान ने अपने करियर की बेस्ट पारी खेली। रिजवान ने 239 गेंदों पर 11 चौके और तीन छक्कों की मदद से 171 रन बनाए। वह अंत तक नाबाद रहे। एक समय ऐसा लग रहा था कि रिजवान दोहरे शतक की ओर जाएंगे लेकिन इससे पहले ही कप्तान शान मसूद ने पारी घोषित कर बांगलादेश को बल्लेबाजी के लिए बुला लिया।

पाकिस्तान की शुरूआत खराब रही थी। शफीक 2, कप्तान शान मसूद 6 तो बाबर आजम 0 पर ही पवेलियन लौट गए। स्कोर जब 16 रन पर तीन विकेट था तब सैम अयूब ने सऊद शकील के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। अयूब ने 98 गेंदों पर 56 रन बनाए। इसके बाद सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान मैच को बांग्लादेश से काफी दूर ले गए। दोनों ने 200 से ज्यादा रनों की पार्टनरशिप की। सऊद ने जहां 261 गेंदों पर 141 रन बनाए तो रिजवान ने

नाबाद 171 रन बनाए। शाहीन अफरीदी 29 रन पर नाबाद रहे और स्कोर 448 तक पहुंचा दिया। बांगलादेश के लिए शाकिब अल हसन प्रभाव नहीं दिखा पाए। उन्होंने 27 ओवर में ही महज एक विकेट लेकर 100 रन दे दिए।

हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे स्टोक्स के लिए मुश्किल हो रहा समय बिताना

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट किकेट टीम के कप्तान और ऑलराउंडर बेन स्टोक्स अभी हैमस्ट्रिंग चोट से उबर रहे हैं। इसी कारण वह श्रीलंका के खिलाफ सीरीज भी नहीं खेल पाये। स्टोक्स के अनुसार चोट से उबरने का ये दौरान बेहद कठिन है क्योंकि उनके पास करने को कुछ नहीं है। ऐसे में समय बिताना कठिन हो रहा है। उन्हें द हंड्रेड टूर्नामेंट में एक रन लेते समय ये चोट लगी थी। इसके बाद वह सहारा लेकर ही मैदान से जा पाये थे। उन्होंने कहा, हालांकि अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। उस दिन की तुलना में हालात बेहतर है। मुझे लगता है कि मेरे लिए सबसे मुश्किल काम है अपना समय बिताना और बहुत ज्यादा बोर न होना। अभी भी आस-पास रहना और शामिल होना बहुत बढ़िया है। फिर उम्मीद है कि मैं शीघ्र वापसी कर पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में खेलूंगा। स्टोक्स के बाहर होने से अभी ओली पोप टेस्ट टीम की कप्तानी कर रहे हैं। स्टोक्स ने कहा कि ओली टेस्ट टीम में भी वही भावनाएं लाना जारी रखेंगे, हालांकि उनका व्यक्तित्व अलग होगा। उन्होंने कहा, मैं उनके लिए वाकई उत्साहित हूं। मैंने उन्हें उप-कप्तान इसी लिए बनाया था क्योंकि उन्हें खेल की अच्छी समझ है और योजनाओं के मामले में हम एक जैसे हैं। मैंने हमेशा पाया है कि जब वह मेरे पास आते थे, तो यह कुछ ऐसा होता था जो मेरे दिमाग में पहले से ही होता था। स्टोक्स ने कहा, वह मेरे बाहर होने पर कप्तान के तौर पर स्पष्ट पसंद थे और मुझे लगता है कि वह नंबर 3 की भूमिका ओर अच्छे तरीके से निभा रहे हैं। मुझे उनपर पूरा भरोसा है। मैं हमेशा कहना रहा हूं कि जाओ ओर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो। यही जिम्मेदारी वह निभा रहे हैं।

डायमंड लीग: एक्शन में नजर आएंगे नीरज चोपड़ा, हैट्रिक पर नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद गुरुवार, 22 अगस्त को लुसाने डायमंड लीग में पहली बार एक्शन में नजर आएंगे। भाला फेंक सुपरस्टार शेष प्रतियोगिताओं में बड़ा मुकाम हासिल करने के लिए उत्सुक होंगे, जिसमें 13 सितंबर को ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल भी शामिल है।

पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बावजूद नीरज चोपड़ा पूरी तरह से खुश नहीं थे। ओलंपिक चैंपियन के रूप में उन्हें पाकिस्तान के अरशद नदीम ने हराया जिन्होंने पेरिस में 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। नीरज ने 89.45 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक जीता। निरंतरता पर जोर देने वाले नीरज ने सीमाओं को आगे बढ़ाने और 90 से अधिक थ्रो करने का लक्ष्य रखने की आवश्यकता के बारे में बात की। चोटों के मुद्दों को देखते हुए यह देखना बाकी है कि नीरज लुसाने में खुद को आगे बढ़ाएंगे या नहीं। हालांकि, नीरज पोडियम के शीर्ष पायदान पर रहने और डायमंड लीग फाइनल में जगह पक्की करने के लिए उत्सुक होंगे।

नीरज अगर 10-मैन फील्ड में शीर्ष पर रहते हैं तो वे लुसाने में जीत की हैट्रिक पूरी कर सकते हैं। गुरुवार को होने वाले बड़े शो से पहले नीरज स्विट्जरलैंड में प्रशिक्षण ले रहे हैं। नीरज ने 87.66 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ 2023 में लुसाने डायमंड लीग जीती। नीरज ने 2022 में 89.08 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ लुसाने डायमंड लीग जीती थी।

नीरज डीएल स्टैंडिंग में चौथे स्थान पर

अरशद नदीम के अलावा सीजन में हर दूसरा शीर्ष थ्रोअर लुसाने में एक्शन में होगा। मंगलवार को लुसाने के अलावा एक और डायमंड लीग अपने कार्यक्रम में पुरुषों की भाला फेंक के साथ 5 सितंबर को ज्यूरिख में भिड़ेगी। नीरज वर्तमान में डायमंड ट्रॉफी 2023 के विजेता जैकब वडलेज 14 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर हैं जिन्होंने दोहा में जीत हासिल की और पेरिस में तीसरा स्थान हासिल किया। एंडरसन पीटर्स 13 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं जबकि जर्मनी के जूलियन वेबर 8 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, ये सभी पेरिस में जीत से आए हैं।

नीरज दोहा में दूसरे स्थान पर रहने के बाद 7 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं, यह भारतीय डायमंड लीग की एकमात्र मीटिंग है जिसमें उन्होंने सीजन में अब तक भाग लिया है। शीर्ष 6 डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। नीरज ने 2022 में डायमंड ट्रॉफी जीती और 2023 में डायमंड लीग फाइनल में दूसरे स्थान पर रहे। जैकब वडलेज डायमंड लीग में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने के लिए उत्सुक होंगे। टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता को पेरिस में पोडियम स्थान से बाहर कर दिया गया था क्योंकि वह 88.50 मीटर फेंकने के बावजूद पांचवें स्थान पर रहे थे।

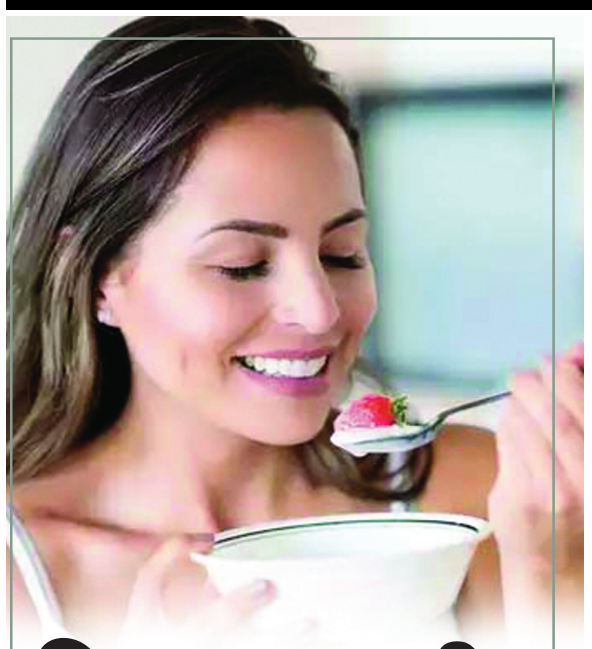

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिंक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा - आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल - नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी - कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक - कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकांई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा - साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध - कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा - एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू - एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओमान में भारतीयों को देना पड़ेगा इनकम टैक्स

दुबई (ईएमएस)। खाड़ी के देशों में अब इनकम टैक्स प्रवासियों से अगले साल से लिया जाएगा। बड़ी संख्या में ओमान में भारतीय कामगार और पेशेवर, मजदूरी और कारोबार के काम में लगे हुए हैं। ओमान सरकार अगले साल से इनकम टैक्स लागू करने जा रही है। ओमान खाड़ी का पहला देश बन गया है। जो भारतीयों से इनकम टैक्स वसूल करेगा। ओमान की सरकार ने जो प्रस्ताव किया है। उसके अनुसार 84 लाख रुपए वार्षिक कमाने वालों को 5 से 9 फ़ीसदी तक इनकम टैक्स देना होगा। इस टैक्स में हर साल वृद्धि भी प्रस्तावित की गई है। माना जा रहा है, ओमान में रहने वाले 6 लाख भारतीय इनकम टैक्स से प्रभावित होंगे।

पाकिस्तान में स्कूल वैन पर बरसाईं गोलियां, दो बच्चों की मौत, पांच घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बड़ा हमला हुआ है। हमलावरों ने एक स्कूल वैन को अपना निशाना बनाया है। हमलावरों ने स्कूल वैन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई जिसमें दो बच्चों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अटक के ढेरी कोट में एक स्कूल वैन पर हमलावरों ने गोलियां बरसाई जिसमें कम से कम दो बच्चों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। हमले में घायल बच्चों की उम्र पांच से 12 साल है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमले में मारे गए बच्चों में एक नौ साल का और एक 10 साल का बच्चा शामिल है। इस हमले में मारी गई अरवा फातिमा और रमीन शफीक दोनों लड़कियों की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के मद्देनजर पंजाब की सीएम मरियम नवाज ने रावलपिंडी के कमिश्नर से रिपोर्ट मांगी है। सीएम मरियम ने भी हमले में दो बच्चों की मौत पर गहरा दुख जताया है। सीएम मरियम ने संबंधित अधिकारियों को उन बच्चों को बेहतर इलाज मुहैया करने का भी निर्देश दिया, जो इस हमले में घायल हुए हैं। रिपोर्ट में अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि स्कूल वैन पर हमला ड्राइवर की निजी दुश्मनी का नतीजा था। उन्होंने कहा कि पिछले महीने इसी दुश्मनी के कारण एक वन अधिकारी और उसके दोस्त की हत्या कर दी गई थी। हत्या का बदला लेने के लिए वैन चालक अफ़ज़ाल पर हमला किया गया। हमले में ड्राइवर घायल हो गया, लेकिन बच्चों को भी गोलियां लगी हैं। हमले में ड्राइवर के साथ सीट पर बैठी दो छात्राओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ड्राइवर घायल है।

डॉक्टर पति द्वारा बनाए गए हजारों अश्लील वीडियो लेकर पुलिस के पास पहुंची महिला, गिरफ्तार

वॉशिंगटन। अमेरिका में रह रहे एक भारतीय ने हजारों लड़कियों के न्यूड वीडियो रिकॉर्ड किए हैं। भारतीय डॉक्टर ओमैर एजाज ने इस महिलाओं के अलावा बच्चों को भी नहीं छोड़ा है। पुलिस ने एजाज को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कथित तौर पर अस्पतालों और अपने घर में छिपे हुए कैमरे का इस्तेमाल करता था। अब शख्स पर यौन अपराधों के 10 मामलों में केस दर्ज किया गया है। यह मामला तब सामने आया जब एजाज की पत्नी ने पुलिस को ये सारी चीज़ें उपलब्ध कराई। इसके बाद ओकलैंड काउंटी शेरिफ ने मिशिगन में उसके रोचेस्टर हिल्स स्थित घर पर तलाशी वारंट जारी किया। 13 अगस्त को एजाज पर औपचारिक रूप से बच्चों के साथ यौन शोषण, न्यूड महिलाओं की तस्वीरें खींचने के चार मामलों और अपराध के लिए कंप्यूटर का उपयोग करने के पांच मामलों में आरोपी बनाया गया है। पुलिस को अपनी जांच के दौरान एक ही हार्ड ड्राइव में 13,000 से ज़्यादा वीडियो मिले हैं। इसके अलावा 15 और डिवाइस ज़ब्त किए हैं। एजाज को 8 अगस्त को बाथरूम, चेंजिंग एरिया, अस्पताल के कमरों और यहां तक ??कि अपने घर में भी छिपे हुए कैमरे लगाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जानकारी के मुताबिक इंटरनल मेडिसिन का एक्सपर्ट ओमैर एजाज 2011 में भारत से वर्क वीजा पर अमेरिका गया था। मिशिगन के सिनाई ग्रेस अस्पताल में रहने के बाद वे अलबामा के डॉसन चला गया था। इससे पहले भी वह कई अस्पतालों में काम कर चुका है। हाल ही में उसने अलग-अलग अस्पतालों में काम करने के लिए फिजिशियन के रूप में कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। रिपोर्ट के मुताबिक वह कैमरों में दो साल की उम्र के बच्चों और बेहोश या सो रही महिलाओं की आपत्तिजनक फुटेज रिकॉर्ड की है। ओकलैंड काउंटी के शेरिफ माइक बाउचर्ड ने कहा है कि एजाज के अपराधों की लिस्ट इतनी बड़ी है कि उसके अपराधों की पूरी तरह से जांच करने में महीनों लग सकते हैं। बाउचर्ड ने कहा कि कई पीड़ितों का उत्पीड़न हुआ है और यह बहुत बड़ा अपराध है।

कैंची हुई गायब तो 36 उड़ानें हुईं रद्द

होक्काइडो । कैंची लेकर कोई हवाई जहाज से नहीं जा सकता, ये आपने सुना होगा। लेकिन जापान में एक अनोखा मामला आया है। वहां न्यू चितोशे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में एक स्टोर से कैंची गायब होने के बाद अफरा-तफरी मच गई। इसका असर 236 से अधिक उड़ानों पर पड़ा। इतना ही नहीं 36 उड़ानें रद्द करनी पड़ी। सुबह 10 बजे होक्काइदो के न्यू चिटोज एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच चल रही थी। तभी पता चला कि वहां एक स्टोर से कैंची गायब हो गई है। इसके बाद सिव?योरिटी अलर्ट हो गया। अलार्म बजने लगा। यात्रियों की सिक्योरिटी जांच रोक दी गई। देखते ही देखते डिपार्चर लाउंज में मौजूद सभी पैसेंजर्स की दोबारा चेकिंग की बात कही गई। इससे वहां लंबी कतारें लग गईं। नाराज पैसेंजर्स ने जमकर हंगामा किया। लेकिन अफसरों ने दो टूक कहा कि जब तक जांच नहीं हो जाती है, कोई भी यहां से भाग नहीं सकता। सुरक्षा अधिकारियों ने कैंची को काफी ढूंढा। एयरपोर्ट का कोना कोना छान मारा। लेकिन कैंची नहीं मिली। इसके बाद हवाई सेवाएं फिर बहाल कर दी गईं। लेकिन अगले ही दिन वह कैंची उसी स्टोर में फिर मिल गई। इससे जापान के वार्षिक बोन उत्सव मना कर घर लौट रहे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बता दें कि न्यू चितोशे एयरपोर्ट जापान के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। साल 2022 में एयरपोर्ट से 1.5 करोड़ से ज्यादा पैसेंजर्स ने उड़ान भरी। एयरपोर्ट के सिक्योरिटी अफसरों ने कहा, हम इससे चिंतित थे कि कहीं कोई घटना न हो जाए। उधर, बहुत सारे लोग अफसरों की तारीफ कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह बताता है कि अधिकारी हमारी सुरक्षा को लेकर कितने अलर्ट हैं।

यूट्यूबर ने दी भारत पर परमाणु बम गिराने की धमकी, लोगों का गुस्सा फूटा

लंदन। ब्रिटेन के यूट्यूबर ने भारत पर परमाणु बम गिराने की बात कह दी थी। माइल्स रूटलेज नाम के इस युवक को भारतीयों पर नस्लवादी टिप्पणियां करने के बाद सोशल मीडिया पर भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल यह पूरा मामला एक मीम वीडियो से शुरू हुआ जिसे उसने एक्स पर अपलोड किया था। वीडियो में अमेरिका में छिपे हुए साइलो से परमाणु मिसाइलें निकलती दिखाई दे रही हैं और दुनिया भर में परमाणु युद्ध की बात कही जा रही है। वीडियो शेयर करते हुए रुटलेज ने लिखा-जब मैं इंग्लैंड का पीएम बनूंगा तो मैं ब्रिटिश हितों और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करने वाली किसी भी विदेशी ताकत पर परमाणु साइलो खोल दूंगा। मैं बड़ी घटनाओं की बात नहीं कर रहा हूं, मैं छोटी-सी बात पर पूरे देश को खत्म कर दूंगा। इसके कुछ मिनट बाद रूटलेज ने पोस्ट पर एक कमेंट करते हुए कहा कि मैं भारत पर हमला कर सकता हूं। पोस्ट शेयर करने के बाद लोगों ने उसकी जमकर खिंचाई शुरु कर दी। उसे ट्रोल से धमकी भरे डीएम भी मिलने लगे। इसके बाद उसने भारतीयों के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियां करना शुरू कर दी। यूट्यूबर रुटलेज ने लिखा- मानो या न मानो मुझे भारत पसंद नहीं। साथ ही मैं एक भारतीय को महसूस कर सकता हूं कि वह भारतीय है। अगर कोई ऑनलाइन आदमी अचानक पहली प्रतिक्रिया में आपकी मां को गाली देता है, तो वह भारतीय है। ऐसे कई मामले हैं। इस तरह की टिप्पणी के बाद लोग और भड़क गए। एक्स यूजर्स ने उस पर भारतीयों को भड़काने का आरोप लगाया है।

गाजा में इजरायल और हमास के बीच जारी संघर्ष के बीच उठता हुआ धूआं।

यूक्रेन ने राजधानी मॉस्कों में जमकर बरसाए गोले-बारूद

– रूस बोला, 45 ड्रोन कर दिए जमींदोज

मॉस्को (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन जंग में बीते ढाई साल से बैकफुट पर नजर आ रहे वोलोदिमीर जेलेंस्की अब फ्रंट-फुट पर आकर पुतिन एंड कंपनी को करारा जवाब दे रहे हैं। करीब एक सप्ताह पहले रूस में घुसकर हमले करने के बाद अब यूक्रेन ने राजधानी मॉस्को में बमबारी की। व्लादिमीर पुतिन ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि यूक्रेन उनके देश में इतना अंदर तक घुसकर ड्रोन अटैक भी कर सकता है। रूसी सेना ने माना कि यूक्रेन ने 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार मॉस्को पर सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया। हालांकि साथ ही यह भी दावा किया गया कि उनके सभी ड्रोन को नष्ट कर दिया गया है। यूक्रेन की कोशिश है कि वो ज्यादा से ज्यादा रूस की जमीन पर अपना कब्जा कर ले, ताकि जब बात आपसी समझौते की हो तो वो रूस द्वारा कब्जाई गई अपनी जमीन को वापस पा सके। विशेषज्ञ का कहना है कि इसी कारण अब यूक्रेन अमेरिका सहित तमाम अन्य पश्चिमी देशों की मदद से रूस पर हमलावर हो गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मॉस्को ने रातभर में यूक्रेन के 45 ड्रोन नष्ट कर दिए। दावा किया गया कि 11 ड्रोन मॉस्को क्षेत्र के ऊपर नष्ट किए गए जबकि 23 ड्रोन ब्रायंस्क क्षेत्र, छह बेलगोरोद, तीन कलुगा और दो कुर्स क्षेत्र में नष्ट किए गए। मॉस्को के मेयर सर्गेइ सोबियानिन ने अपने टेलीग्राम चैनल पर कहा कि ड्रोन के जरिए मॉस्को पर हमला करने की यह अब तक की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक थी। उन्होंने कहा कि राजधानी मॉस्को के आसपास बनाई गयी मजबूत रक्षा प्रणाली के कारण सभी ड्रोन नष्ट कर दिए गए। रूस के कुछ सोशल मीडिया चैनल पर वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा ड्रोन को नष्ट करते हुए देखा जा सकता है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब रूस पूर्वी यूक्रेन में आगे बढ़ रहा है, जहां उसका लगभग 18 प्रतिशत क्षेत्र पर नियंत्रण है! वह अपने कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन के अटैक को रोकने के लिए संघर्ष कर रहा है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से रूसी क्षेत्र पर सबसे बड़ा विदेशी हमला है! रूसी मीडिया ने मॉस्को क्षेत्र के आसमान में ड्रोन के चक्कर लगाने और फिर हवाई सुरक्षा द्वारा आग के गोले में मार गिराए जाने का फुटेज शेयर किया। रूसी विमानन नियामक संस्था ने कहा कि मॉस्को के हवाई अड्डों वनुकोवो, डोमोडेडोवो और जुकोवस्की ने चार घंटे के लिए उड़ानों को सीमित कर दिया, लेकिन 0330 जीएमटी से सामान्य परिचालन फिर से शुरू कर दिया गया था।

इजराइली सेना के खुफिया प्रमुख ने दिया इस्तीफा, बोले- 7 अक्टूबर का हमला नहीं रोक पाया

येरूसलम। इजराइल और हमास के बीच पिछले दस माह से जंग चल रही है। इसकी शुरुआत तब हुई थी जब 7 अक्टूबर को इजराइल में एक समारोह में दौरान आतंकी हमला किया जिसमें सैकड़ो नागरिकों की मौत हो गई। इसके बदला लेने के लिए इजराइल ने हमास का नामोनिशान मिटाने का संकल्प लिया और हमास पर धावा बोल दिया। अब 10 महिने बाद इजरायली सैन्य खुफिया प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया है। विदाई समारोह में 7 अक्टूबर को देश की सीमा की सुरक्षा ना कर पाने की जिम्मेदारी ली। 38 साल से भी ज्यादा समय तक सेना से जुड़े रहे मेजर जनरल अहरोन हालिवा ने अप्रैल में अपने इस्तीफे की घोषणा की थी। इस दौरान जनरल अहरोन ने माना कि वे इजरायल के इतिहास में सबसे बड़े हमले का पता लगाने और उसे रोकने में असफल रहे। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल पर बड़ा हमला कर पूरे क्षेत्र में तबाही मचाई थी।

खालिदा जिया की घर वापसी पर हुआ जोरदार स्वागत

ढाका । बांग्लादेश में सियासी उठा-पटक के इस दौर में बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया की घर वापसी हुई है। गुलशनमार्ग स्थित आवास फिरोजा में खालिदा का जोरदार स्वागत किया गया है। बांग्लादेश की विपक्षी पार्टी ने पूर्व पीएम शेख हसीना को लेकर भारत से एक अहम मांग की है। बीएनपी ने कहा कि भारत को शेख हसीना को वापस बांग्लादेश भेज देना चाहिए, ताकी उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। बीएनपी का दावा है कि हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में हत्या सहित कई मामलों में मुकदमे दर्ज है। बांग्लादेश के अंतरिम सरकार में विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहिर हुसैन भी इस तरह की बात पहले कर चुके हैं। बांग्लादेश में चल रहा है सियासी उठा पटक के बीच बीएनपी अध्यक्ष खालिदा जिया लंबे इलाज के बाद घर वापस आ गई है। वे गुलशनमार्ग स्थित आवास फिरोजा पहुंची हैं। इससे पहले शाम करीब 7-00 वह एवर केयर अस्पताल से अपने घर के लिए रवाना हुई थी। खालिदा जिया के घर पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया। उनसे मिलने के लिए लोगों की भारी हुजूम उनके आवास के पास नजर आई।

यूरोपियन यूनियन के एक फैसले पर भड़का चीन

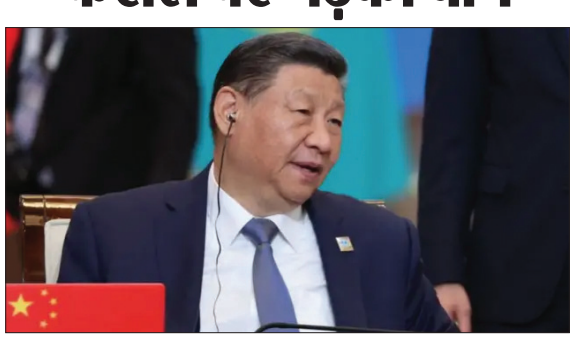

– बुरी तरह छटपटा रहे जिनपिंग, दादागिरी करने वाले अब दे रहे हैं नियमों की दुहाई

बीजिंग (एजेंसी)। यूरोपियन यूनियन के एक फैसले से चीन को मिर्ची लग गई है। चीन के अधिकारी और उद्योग जगत के लोग यूरोपियन यूनियन पर भड़क गए। दरअसल ईयू ने एक नया ड्राफ्ट रिलीज किया है जिसमें चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल के खिलाफ जांच करने की बात कही गई है। यह बात चीन को बुरी तरह चुभ गई। चीन ने कहा कि यूरोपीय संघ का यह फैसला चीन और यूरोपियन यूनियन के बीच आपसी विश्वास और सहयोग को कमजोर करता है क्योंकि इस फैसले से यूरोपियन यूनियन के बाजार में चीनी की कंपनियों के प्रति विश्वास में कमी आएगी। विशेषज्ञ ने कहा कि यूरोपीय यूनियन का यह ऐलान, जिसमें चाइनीज इलेक्ट्रिक व्हीकल्स निर्माताओं के खिलाफ भारी टैरिफ दरें शामिल हैं, ने विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से दोनों पक्षों के बीच चल रही बातचीत में और भी ज्यादा मुश्किलें पैदा कर दी हैं। इस बीच चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने चीन के घरेलू उद्योग के अनुरोध पर यूरोपीय संघ के कुछ डेयरी उत्पादों की जवाबी जांच शुरू की। चाइनीज विशेषज्ञों ने कहा कि घरेलू उद्योग के आवेदन और डब्ल्यूटीओ नियमों के अनुसार शुरू की गई यह जांच उचित है। हालांकि, यह ईसी की संरक्षणवादी जांच से पूरी तरह अलग है जो डब्ल्यूटीआई नियमों का उल्लंघन करती है। यूरोपियन यूनियन ने चीनी ईवी निर्माताओं के खिलाफ 36.3 प्रतिशत की अधिकतम टैरिफ दर बनाए रखने का फैसला किया, जबकि चीन में टेस्ला द्वारा निर्मित ईवी पर यह दर 9 प्रतिशत है। इस फैसले से नाराज कई चीनी मंत्रालयों और उद्योग समूहों ने इस कदम की निंदा की है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने ईसी की जांच को संरक्षणवाद और राजनीति से प्रेरित कार्रवाई कहा कि उन्होंने कहा कि ईसी की यह जांच तथ्यों की अनदेखी और डब्ल्यूटीओ के नियमों के खिलाफ है।

महिलाओं और लड़कियों पर दुनिया में सर्वाधिक हिंसा करने वाला देश है फिजी

ह्यूस्टन (एजेंसी)। सुवा(ईएमएस)। फिजी में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा की दर दुनिया में सबसे अधिक है, जहां तीन में से दो महिलाओं को अपने जीवनकाल में शारीरिक या यौन हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, फिजी की महिला, बाल और सामाजिक सुरक्षा मंत्री लिंडा तबुया ने फिजी के मुख्य द्वीप पर नाडी शहर में एक उच्च स्तरीय संवाद में तबुया ने कहा कि पिछले एक दशक में स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत और महत्वाकांक्षी प्रतिक्रिया का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए फिजी राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी) 2023-2028 में महत्वपूर्ण प्रगति हो रही है। जून 2023 में शुरू की गई यह योजना प्रशांत द्वीप देश में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा से निपटने के लिए एक व्यापक, समावेशी और साक्ष्य-आधारित नजरिया प्रदान करती है। यह दिल दहला देने वाला है, यह वास्तव में एक दिल दहला देने वाली वास्तविकता है जिसने दादी, चाची, माताओं, बहनों और निश्चित रूप से हमारे परिवारों को प्रभावित किया है और प्रभावित करना जारी रखा है। यह अस्वीकार्य है। उन्होंने आगे कहा कि इस डीप डाइव हाई-लेवल डायलॉग ने पारंपरिक नेताओं, प्रांतीय अध्यक्षों, महिलाओं और युवा नेताओं को एक साथ लाकर चर्चा की है कि पारंपरिक संस्थाओं में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को रोकने में वे कैसे मदद कर सकती हैं।

पाकिस्तान में बवाल: हजारों इमरान समर्थक इस्लामाबाद के लिए रवाना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान के हजारों समर्थक आज फिर से सड़कों पर उतर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा, सिंध और पंजाब जैसे प्रांतों से हजारों की संख्या में उनके समर्थक इस्लामाबाद पहुंच रहे हैं। इन समर्थकों ने एक जलसे का फैसला किया है। इस जलसे यानी रैली का नेतृत्व खैबर पख्तूनख्वा के सीएम अली अमीन गंदापुर करेंगे। वहीं इस्लामाबाद प्रशासन ने इस रैली के लिए जारी एनओसी को रद्द कर दिया है, जिससे तनाव बढ़ गया है। इमरान समर्थक रोक लगने के बाद भी इस्लामाबाद की ओर बढ़ने पर आमादा हैं।

यदि इन लोगों पर कोई लाठीचार्ज या बल प्रयोग हुआ तो फिर हालात बिगड़ भी सकते हैं। इससे पहले बीते साल 9 मई को जब इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था तो पूरे पाकिस्तान में ही हिंसा भड़क गई थी। यहां तक कि सेना के प्रतिष्ठानों पर भी हमले हुए थे। उस मामले में कई पीटीआई नेता अब भी जेलों में बंद हैं। खुद इमरान खान जेल में ही हैं। इससे पहले रमजान के दौरान इस्लामाबाद प्रशासन ने पीटीआई को अनुमति दी थी कि वह रैली कर सकती है। तब पीटीआई का कहना था कि हमारे कार्यकर्ता मस्जिदों में व्यस्त हैं।इमरान खान समर्थकों ने इस्लामाबाद के तारनोल में जुटने का फैसला लिया है। बता दें कि पहले प्रशासन ने 31 जुलाई को रैली के लिए एनओसी जारी कर दी थी, लेकिन अब उसे वापस ले लिया गया है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अब भी इमरान खान की पार्टी की ही सरकार है। वहां उसका अच्छा प्रभाव भी है और खुद इमरान खान पठान हैं और मूल रूप से खैबर के ही हैं। ऐसे में वहां से हजारों की संख्या में लोग इस्लामाबाद की ओर बढ़ रहे हैं। पाक सरकार को आशंका है कि आज कोई बड़ा बवाल भी हो सकता है। गौरतलब है कि इमरान खान की सरकार जाते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर पीएम के तौर पर मिले उपहारों को गबन करने समेत कई मामले चल रहे हैं। पाकिस्तान पंजाब सरकार ने इस्लामाबाद में धारा 144 लगा दी है ताकि इन लोगों को आगे बढ़ने से रोका जा सके। पंजाब में किसी भी तरह के राजनीतिक जुटान पर भी रोक लगी है। बीते कई महीनों से इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थक इस्लामाबाद में रैली की परमिशन मांग रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अंत में 22 अगस्त को जुटने का फैसला लिया गया। इस रैली के लिए खैबर पख्तूनख्वा से हजारों लोग आगे बढ़ रहे हैं। वहीं उन्हें रोकने के लिए प्रशासन ने इस्लामाबाद के एंट्री पॉइंट्स पर बड़े-बड़े कंटेनर रखवा दिए हैं।

एमपॉक्स के तेज फैलाव ने बढ़ाई चिंता, डब्ल्यूएचओ ने घोषित की स्वास्थ्य आपदा

जिनेवा (एजेंसी)। अफ्रीका में एमपॉक्स वायरस के तेज फैलाव को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा घोषित किया है। मगर एमपॉक्स क्या है, यह मूल रूप से कहां से फैली और दुनिया इस खतरे का मुक़ाबला किस तरह कर सकती है? इसे लेकर एडवाइजरी जारी की गई है। एमपॉक्स के फैलाव ने कोविड-19 और एचआईवी संक्रमण के शुरुआती दिनों जैसा डर भी उत्पन्न कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के यूरोप में क्षेत्रीय निदेशक डॉक्टर हैंस क्लूगे ने मंगलवार को इन चिन्ताओं को खारिज कर दिया। उन्होंने इसके बारे में अहम जानकारी दी।

क्या है एमपॉक्स और कैसे फैलता है

एमपॉक्स 1958 में सामने आया। जब प्रयोगशाला के कई बंदरों में इस वायरस के होने की पुष्टि हुई। यह एक जूनोटिक वायरल रोग है। यह जानवरों से मनुष्यों में फैल सकता है और इंसान से इंसान में भी इसका प्रसार हो सकता है। मानव एमपॉक्स की पहचान पहली बार 1970 में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में एक नौ महीने के लडक़े में हुई थी। एमपॉक्स कुछ साल पहले मध्य और पश्चिम अफ्रीका में एक स्थानीय बीमारी थी, मगर वर्ष 2022 में इसने एक वैश्विक संक्रमण फैलाव किया। इसके बाद डब्ल्यूएचओ को एमपॉक्स को जुलाई में सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा घोषित करना पड़ा। एमपॉक्स के रोगियों में पहले देखे गए लक्षण चेचक के समान होते हैं। लेकिन यह चिकित्सकीय रूप से कम गंभीर है। 2003 में अफ्रीका के बाहर एमपॉक्स का पहला मामला अमेरिका में दर्ज किया गया था और इसे संक्रमित पालतू प्रैरी कुत्तों संपर्क से जोड़ा गया था। इसका नाम एमपॉक्स है, लेकिन कृंतक जैसे गैम्बियन विशाल चूहे या पेड़ों की गिलहरी जैसे अधिकांश जानवर इससे संक्रमित हो सकते हैं और फिर आगे लोगों को संक्रमित कर सकते हैं।

यह आमतौर पर कहां पाया जाता है?

एमपॉक्स सबसे अधिक मध्य और पश्चिमी अफ्रीका के वर्षा वनों में पाया जाता है और वह जानवर जिनमें ये वायरस हो सकता है, वे वहां के मूल निवासी हैं। इन देशों में यह बीमारी तेजी से शहरी क्षेत्रों में देखी जा रही है। कभी-कभी यह उन लोगों में भी पाया जा सकता है, जो इन देशों का दौरा करने के बाद संक्रमित हुए हों। इसके लक्षणों में आमतौर पर बुखार, तेज सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, शरीर में ऊर्जा की कमी, सूजी हुई गांठें और त्वचा पर चकत्ते या घाव शामिल हैं। त्वचा पर ये दाने और चकत्ते, आमतौर पर बुखार की शुरुआत के पहले या तीसरे दिन होते हैं। ये घाव चपटे या थोड़े उभरे हुए हो सकते हैं, जिनमें साफ या पीले रंग का तरल पदार्थ भरा होता है, फिर सूखकर इनकी पपड़ी बनकर गिर जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आखिरकार.....अभिनेता से राजनेता बने थलपति विजय, किया पार्टी के झंडे का अनावरण

चेन्नई । (एजेंसी)

तमिल सुपरस्टार थलपति विजय ने गुरुवार को चेन्नई के पनियूर में पार्टी मुख्यालय में अपनी नव स्थापित राजनीतिक पार्टी, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के झंडे का अनावरण किया। विजय ने झंडे का अनावरण करने के बाद एक संक्षिप्त भाषण दिया। झंडे में दो हाथी दांत और सितारों से घिरे एक वागाई फूल का चिह्न है। संगम काल के दौरान, तमिल राजा जीत के प्रतीक के रूप में वागाई फूलों से बनी मालाएं पहनते थे।

इस दौरान विजय ने कहा, हमारा झंडा हमारे राज्य का प्रतीक बनेगा। झंडे के साथ हम अपना पार्टी गान भी पेश कर रहे हैं। पार्टी महासचिव और पुडुचेरी के पूर्व विधायक, बुस्सी आनंद ने उपस्थित जनों का स्वागत किया। विजय के राजनीति में आने से तय हैं कि तमिलनाडु के मौजूदा राजनीतिक समीकरण बदल जाएंगे। विजय अपने आप में एक स्टार हैं और उनके फैन क्लब विजय मक्कल अय्यकम में दस लाख सदस्य हैं।

विजय मक्कल अय्यकम अब अखिल भारतीय थलपति विजय मक्कल अय्यकम (एआईटीवीएमआई) के रूप में पंजीकृत है। विजय उन तमिल स्टार्स की लिस्ट में शामिल हो गए हैं जिन्होंने राजनीति में अपनी पैठ बनाई। इसमें अभिनेता एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) शामिल हैं, जिन्होंने एआईएडीएमके की स्थापना की और तमिलनाडु के सबसे लोकप्रिय मुख्यमंत्रियों में से एक बने, इनके अलावा डॉ जे जयललिता भी हैं।

इन्होंने भी राजनीति में न सिर्फ धमाकेदारी एंट्री मारी बल्कि प्रदेश के ताकतवर मुख्यमंत्रियों की फेहरिस्त में अपना नाम भी दर्ज कराया। हालांकि, राजनीति में शामिल होने वाले सभी तमिल अभिनेता सफलता की कहानी नहीं लिखते हैं। उदाहरण के लिए, शिवाजी गणेशन, विजयकांत और कमल हासन तमिलनाडु की राजनीति में उतने सफल नहीं रहे। विजय की पार्टी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दम खम दिखा चुकी है। 2021 के स्थानीय निकाय चुनावों में, एआईटीवीएमआई ने 169 सीटों पर चुनाव लड़ा और 115 सीटें जीती। विजय 2026 के विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि सितंबर में बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर गोटा की रिलीज के बाद वह फिल्मों से संन्यास ले लूंगा।

77 जातियों को ओबीसी सूची में शामिल करना सही

दाखिल हलफनामे में बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कही बात

नई दिल्ली।

पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 77 जातियों को ओबीसी सूची में शामिल करने का उसका फैसला सही था। सरकार ने कोर्ट में कहा कि यह फैसला तीन चरणों वाली प्रक्रिया के बाद लिया गया जिसमें दो सर्वे और पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा सुनवाई भी शामिल थी। सरकार ने यह भी माना कि कुछ मुस्लिम समुदायों के मामले में यह प्रक्रिया 24 घंटे से भी कम समय में पूरी की गई। खोट्टा मुस्लिम समुदाय ने 13 नवंबर, 2009 को आवेदन दिया था और उसी दिन पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग ने उसे ओबीसी सूची में शामिल करने की सिफारिश की थी। इस तरह मुस्लिम जमादार समुदाय को आवेदन करने के दिन 21 अप्रैल, 2010 को ही सूची में शामिल करने की सिफारिश की गई थी। सरकारी तंत्र की गति और कार्य की जटिल प्रकृति को देखते हुए यह एक उपलब्धि है। ओबीसी आयोग ने भी आश्चर्यजनक तेजी दिखाई और गायेन (मुस्लिम) और भाटिया मुस्लिम समुदायों को सूची में शामिल करने की सिफारिश करने में सिर्फ एक दिन, मुस्लिम चुतोर मिस्त्री समुदाय के लिए चार दिन और एक दर्जन से ज्यादा अन्य मुस्लिम समुदायों को ओबीसी सूची में शामिल करने के लिए एक महीने से भी कम समय लगाया। बंगाल सरकार का हलफनामा हैरान करने वाला था, जिस पर 77 जातियों, जिनमें से 75 मुस्लिम हैं को मनमाने ढंग से शामिल करने के लिए आरोप लग रहे हैं। कुछ मामलों में समुदाय के सदस्यों द्वारा आयोग के सामने ओबीसी सूची में शामिल करने के लिए आवेदन दाखिल करने से पहले ही समुदायों के उप-वर्गीकरण के लिए सर्वे किया गया था। कुछ मुस्लिम समुदायों जैसे काजी, कोटल, हजारी, लायक और खास के लिए जून 2015 में सर्वे किए गए थे, लेकिन उन्होंने बहुत बाद में आवेदन दाखिल किए। राज्य ने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ के पांच अगस्त के उस आदेश के जवाब में कहा कि ओबीसी सूची में शामिल करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया के बारे में जानकारी मांगी गई थी। यह केवल एक विस्तृत जांच के बाद और मौखिक या दस्तावेजी प्रकृति में इसके समक्ष सामग्री पर विचार करने के बाद था, कि 34 समुदायों में से प्रत्येक पर आयोग द्वारा अंतिम सिफारिश के साथ एक अंतिम रिपोर्ट तैयार की गई थी।

त्रिपुरा में भीषण बाढ़ के हालात.....शाह ने बात कर दिया हरसंभव मदद का भरोसा

नई दिल्ली । (एजेंसी)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने त्रिपुरा में बाढ़ की स्थिति पर गुरुवार को मुख्यमंत्री माणिक साहा से बात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने लिखा, त्रिपुरा के सीएम से बात की, और राज्य में बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। केंद्र राहत और बचाव कार्यों में स्थानीय सरकार की सहायता के लिए नावों और हेलीकॉप्टरों के अलावा एनडीआरएफ की टीमों को भेज रही है। आवश्यकता पड़ने पर केंद्र से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। मोदी सरकार संकट की घड़ी में त्रिपुरा में हमारी बहनों और भाइयों के साथ मजबूती से खड़ी है।

सीएम माणिक साहा ने भी प्रदेश की मदद के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री शाह को धन्यवाद किया। उन्होंने लिखा, इस चुनौतीपूर्ण समय में त्रिपुरा के लोगों को अटूट समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह का हृदय से आभार और धन्यवाद !

बता दें कि त्रिपुरा में पिछले दो दिनों में विभिन्न जिलों में भारी बारिश हुई है। लगातार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन जैसे हालत उत्पन्न हो गए हैं। कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। सोमवार से हो रही भारी बारिश के कारण लोगों को आर्थिक नुकसान भी हुआ है। उनके घरों में पानी भर गया है, जिससे वे अपना घर छोड़ने को मजबूर हैं। कई लोगों ने राहत शिविरों में शरण लिया है। मौसम विभाग ने बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। प्रशासन राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता दे रहा है। लोगों से सावधान रहने की अपील की जा रही है। प्रदेश में बाढ़ के चलते स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। सरकारी सहायता प्राप्त निजी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण भी किया। उन्होंने त्रिपुरा के हालात पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी बात की और उन्हें मौजूदा स्थिति से अवगत कराया।

पत्नी ने मांगा 6 लाख रुपए गुजाराभत्ता, जज बोलीं-खुद कमाओ और खर्च करो

नई दिल्ली। (एजेंसी)

सोशल मीडिया पर कोर्ट की सुनवाई का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला के वकील उसके पति से छह लाख रुपए मासिक गुजारा भत्ता दिलाने की दलीलें दे रहा हैं। राधा मुनुकुंतला नामक महिला के वकील ने कोर्ट को बताया कि उसे जूते, कपड़े, चूड़ियां आदि के लिए 15,000 रुपए प्रति माह और घर में खाने के लिए 60 हजार रुपए हर महीने की जरूरत है। महिला के वकील ने कोर्ट को बताया कि उसे घुटने में दर्द और फिजियोथेरेपी और अन्य दवाओं के इलाज के लिए चार-पांच लाख रुपए की जरूरत है।

सुनवाई के दौरान जज ने कहा कि यह कोर्ट की प्रक्रिया का शोषण है। जज ने कहा कि अगर वह इतना पैसा खर्च करना चाहती है तो वह कमा सकती है। जज ने कहा-कोर्ट को यह न बताएं कि एक व्यक्ति को बस इतना ही चाहिए। 6,16,300 रुपए प्रति माह। क्या कोई इतना खर्च करता है? वो भी एक अकेली महिला अपने लिए। जज ने आगे कहा कि अगर वह खर्च करना चाहती है तो उसे कमाने दो। पति पर नहीं ऐसा कैसे। आपके पास परिवार की कोई और जिम्मेदारी नहीं है। आपको बच्चों की देखभाल करने की जरूरत नहीं। आप इसे अपने लिए चाहती हैं। आपको संवेदनशील होना चाहिए। जज ने महिला के वकील से कहा कि वह उचित राशि की मांग करें नहीं तो उनकी याचिका खारिज कर दी जाएगी।

राधा ने खर्च का ब्यौरा दाखिल न करने के मामले पर 20 अगस्त को सुनवाई हुई। 30 सितंबर, 2023 को बेंगलुरु के पारिवारिक न्यायालय के अतिरिक्त प्रधान न्यायाधीश ने उसे उसके पति एम नरसिम्हा से 50,000 रुपए मासिक भरण-पोषण राशि दिलाने का आदेश दिया था। उसने अंतरिम भरण-पोषण राशि में वृद्धि का अनुरोध करते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

दिल्ली सरकार के विज्ञापन से केजरीवाल गायब....नाराज आतिशी ने दिया नोटिस

नई दिल्ली । (एजेंसी)

दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) और नौकरशाही के बीच ताजा टकराव में, दिल्ली की मंत्री आतिशी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तस्वीर के बिना एक अखबार में विज्ञापन जारी करने के लिए सूचना एवं प्रचार विभाग के सचिव और निदेशक को कारण बताओ नोटिस दे दिया है। जारी नोटिस में आतिशी ने अधिकारियों से तीन दिनों के अंदर बताने को कहा कि विज्ञापन की लागत उनके वेतन से क्यों न वसूल की जाए, क्योंकि यह विज्ञापन प्रभारी मंत्री की मंजूरी के बिना प्रकाशित किया गया था। यह नोटिस तब दिया गया जब स्वतंत्रता दिवस पर अखबारों में पूरे पन्ने के विज्ञापन में केजरीवाल की तस्वीर छापने के आतिशी के प्रस्ताव को सूचना एवं प्रचार निदेशालय (डीआईपी) के सचिव ने सीएम की स्थिति को विचाराधीन कैदी बताकर खारिज कर दिया। 14 अगस्त को एक नोट में, डीआईपी ने मुख्यमंत्री की तस्वीर को ले जाने पर आपत्ति जाहिर की, क्योंकि स्वतंत्रता दिवस किसी अन्य त्यौहार की तरह नहीं है, यह किसी व्यक्ति को दिखाने का कार्यक्रम नहीं है, विशेष रूप से अभूतपूर्व परिस्थितियों में जब विचाराधीन व्यक्ति एक विचाराधीन कैदी है, जो कानून की उचित प्रक्रिया के अनुसार न्यायिक हिरासत में है। 15 अगस्त को अखबारों में प्रकाशित विज्ञापन में केजरीवाल की तस्वीर नहीं थी और यह दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित आकार से भी छोटा था। 14 अगस्त को आतिशी ने विभाग को पिछले साल की तरह पूरे पेज का विज्ञापन देने का निर्देश देकर केजरीवाल की तस्वीर वाली रचनात्मक योजना को मंजूरी दे दी।

अमेरिकी मंदी का असर.....

सात संमदर दूर सूरत में दिख रहा

नई दिल्ली । हाल ही में अमेरिका में मंदी की आशंका जाहिर की, जबकि ग्लोबल मार्केट में पहले से ही डिमांड में कमी देखी जा रही है। इसका सीधा असर भारत के रत्न और आभूषण कारोबार पर पड़ा है। रत्न और आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई माह में इस सेक्टर का एक्सपोर्ट घट गया है। अमेरिका में मंदी की आशंका के चलते सूरत में कई डायमंड फैक्ट्रियों ने अपने कर्मचारियों को 10 दिन की छुट्टी पर भेज दिया था। जीजेईपीसी ने कहा है कि वैश्विक अशांति के बाद उपभोक्ता मांग में कमी के कारण जुलाई में कुल रत्न और आभूषण एक्सपोर्ट में सालाना आधार पर 23.28 प्रतिशत की गिरावट दिखाई दी है। इस दौरान एक्सपोर्ट घटकर 166.54 करोड़ डॉलर पर आ गया जबकि पिछले साल जुलाई में ये एक्सपोर्ट 217.07 करोड़ डॉलर का हुआ था। जीजेईपीसी चेयरमैन विपुल शाह के मुताबिक, अमेरिका और चीन जैसे प्रमुख बाजारों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण डिमांड में कमी आई है। चीनी अर्थव्यवस्था में वर्तमान संघर्ष के चलते मांग में गिरावट दिख रही है। जुलाई में कट और पॉलिश किए गए हीरों का एक्सपोर्ट 22.71 प्रतिशत घटकर 90.77 करोड़ डॉलर पर आ गया है, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 117.44 करोड़ डॉलर था। जुलाई में सोने की ज्वैलरी का एक्सपोर्ट भी 12.06 प्रतिशत घटकर 53.04 करोड़ डॉलर पर आ गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 60.31 करोड़ डॉलर था। इस बीच, जीजेईपीसी ने बताया कि हाल ही में 9-13 अगस्त तक आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ज्वेलरी शो (आईआईजेएस) प्रीमियर-2024 में लगभग 12 अरब डॉलर (लगभग एक लाख करोड़ रुपये) का कारोबार हुआ। इस शो ने कंबोडिया, ईरान, जापान, मलेशिया, नेपाल, रूस, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, तुर्की, ब्रिटेन और उज्बेकिस्तान सहित 13 से अधिक देशों से 50,000 से अधिक खरीदारों और अंतरराष्ट्रीय डेलिगेट्स को आकर्षित किया।

कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस में चुनावी गठबंधन, फारूक ने किया ऐलान

राहुल-खड़गे का वादा.....राज्य का दर्जा दिलाएंगे, फारूक अब्दुल्ला की मुलाकात

श्रीनगर । (एजेंसी)

जम्मू कश्मीर में चुनावी ऐलान के बाद सियासी हलचल तेज है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे श्रीनगर के दौरे पर हैं। गुरुवार को दोनों ही नेताओं ने नेशनल कांफ्रेंस के सुप्रीमो और जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला से मुलाकात की है। मुलाकात के बाद नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के बीच चुनावी गठबंधन हो गया है। इसका ऐलान करते हुए अब्दुल्ला ने बताया कि जल्द ही सीटों का ऐलान किया जाएगा। साथ ही साथ दोनों दल मिलकर चुनावी घोषणा पत्र जारी करने को सहमत हुए है।

अब्दुल्ला ने कहा कि हम 90 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ रहे है। इसके पहले राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन में भी हमारी प्राथमिकता है कि जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाए। हमें उम्मीद थी कि चुनाव से पहले यह काम होगा, लेकिन चुनाव घोषित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यह एक कदम आगे है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द से जल्द राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा और जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकार, लोकतांत्रिक अधिकार उन्हें वापस मिले। आजादी के बाद यह पहली बार है कि कोई राज्य केंद्र शासित प्रदेश बना है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इसलिए, हम अपने राष्ट्रीय घोषणापत्र में भी बहुत स्पष्ट हैं कि यह हमारी प्राथमिकता है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों को उनके लोकतांत्रिक अधिकार वापस मिलें। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को मेरा संदेश है, हम आपकी हरसंभव मदद कर सकते हैं, कांग्रेस पार्टी हमेशा आपके साथ है। हम समझते हैं कि आप बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, एक कठिन दौर, और हम हिंसा को खत्म करना चाहते हैं।

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में हम सभी को मिलकर लड़ना चाहिए और

विपक्ष को भी साथ लेकर आगे बढ़ना चाहिए। आज वे (बीजेपी) परेशान हैं और इसीलिए आपने देखा होगा कि वे 2-3 बिल पास करना चाहते थे लेकिन विपक्ष के विरोध के कारण उन्होंने वापस ले लिया या फिर उन्हें संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया। उन्होंने कहा कि जब सबने वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक का पुरजोर विरोध किया, तब बिल को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया...हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने वाले है।

कोलकाता कांड पर अभिषेक ने तोड़ी चुप्पी.....केंद्र सरकार बनाए सख्त काननू

कोलकाता।

तृणमूल कांग्रेस के सांसद और ममता के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के कथित बलात्कार और हत्या पर चल रहे आक्रोश और विरोध के बीच अपनी चुप्पी तोड़ी है। सांसद बनर्जी ने कहा कि भारत को इसतरह सख्त कानूनों की जरूरत है, जो बलात्कार के मामले की सुनवाई और 50 दिनों के भीतर सजा को अनिवार्य करें।

टीएमसी सांसद बनर्जी ने लिखा कि पिछले 10 दिनों में, जबकि राष्ट्र आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा है और न्याय की मांग कर रहा है, भारत के विभिन्न हिस्सों में 900 बलात्कार हुए हैं, ठीक तभी जब लोग इस भयानक अपराध के खिलाफ सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। दुख की बात है कि एक स्थायी समाधान अभी भी काफी हद तक चर्चा से बाहर है।

उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 90 बलात्कार की घटनाएं, हर घंटे 4 और हर 15 मिनट में एक बलात्कार की घटनाएं होने के कारण निर्णायक कार्रवाई की आवश्यकता स्पष्ट है।

टीएमसी नेता ने कहा कि हमें इसतरह के मजबूत कानूनों की आवश्यकता है, जो 50 दिनों में सुनवाई और दोषसिद्धि को अनिवार्य बनाएं, जिसके बाद कठोरतम दंड दिया जाए, न कि केवल खोखले वादे किए जाए। राज्यों को कार्रवाई करनी चाहिए और केंद्र पर एक व्यापक बलात्कार विरोधी कानून बनाने के लिए तत्काल दबाव डालना चाहिए जो त्वरित और सख्त न्याय सुनिश्चि करे।

इससे कम कुछ भी केवल प्रतीकात्मक और दुखद रूप से अप्रभावी है।

इस बीच, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और बंगाल पुलिस ने गुरुवार को सीलबंद लिफाफे में अपनी जांच रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी।

संक्षिप्त समाचार

बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले पर हाईकोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार, पूछे कई सवाल

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को महाराष्ट्र पुलिस से सवाल किया है कि बदलापुर के स्कूल में दो नाबालिग छात्राओं के साथ यौन शोषण मामले में दूसरी पीड़िता का बयान क्यों दर्ज नहीं किया? न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज के चव्हाण की खंडपीठ ने पुलिस से दोनों छात्राओं को सुरक्षा देने के लिए उठाए कदमों के बारे में जानकारी देने को कहा और यह भी कहा कि वह उपायों की जांच करेगी। खंडपीठ ने कहा कि हम इस तथ्य से स्तब्ध हैं कि बदलापुर पुलिस ने दूसरी पीड़ित लड़की का बयान दर्ज नहीं किया। पीठ ने कहा कि यह बड़े मुद्दों पर स्वतः संज्ञान से ली गई जनहित याचिका है, इसलिए लड़कियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। जब तक कोई मजबूत सार्वजनिक आक्रोश न हो, मशीनरी काम नहीं करती है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बदलापुर स्कूल के अधिकारियों को भी फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने यौन शोषण की जानकारी पुलिस को क्यों नहीं दी, जबकि उन्हें पता था कि ऐसा हो रहा है। हाईकोर्ट ने यह भी उम्मीद जताई कि न्याय सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। न्यायमूर्ति मोहिते-डेरे ने महाराष्ट्र पुलिस से जांच की कि मामले में बयानों में देरी क्यों हुई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इतनी देर से बयान दर्ज किया। घटना 13 अगस्त की है और एफआईआर 16 तारीख की। बयान अब दर्ज किया गया? माता-पिता के बयान पहले क्यों दर्ज नहीं किए गए? पुलिस अधिकारी का कर्तव्य प्रक्रियाओं के मुताबिक बयान दर्ज करना है। हम यह तय करने में रुचि रखते हैं कि पीड़ितों को न्याय मिले।

ममता सरकार ने डॉक्टर्स की मांग पर तीन अधिकारियों को हटाया

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के विरोध में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों की मांग को लेकर ममता सरकार ने अस्पताल के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को हटा दिया है। राज्य के स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम ने कहा कि डॉक्टरों की मांग पर आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य डॉ. संदीप घोष को कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के प्राचार्य पद से भी हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अस्पताल के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को राज्य द्वारा संचालित स्वास्थ्य केंद्रों में तबादला कर दिया है। बुधवार को जारी आदेश में आरजी कर अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक एवं उप प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) बुलबुल मुखोपाध्याय को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया और उनकी जगह सप्तर्षि चटर्जी को नियुक्त कर दिया। मानस कुमार बंद्योपाध्याय को अस्पताल का नया प्राचार्य नियुक्त किया गया है। वह सुहृता पॉल की जगह लेंगे। अस्पताल के छाती रोग विभाग के प्रमुख अरुणाभ दत्ता चौधरी को मालदा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया गया है।

माधवी बुच के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली । कांग्रेस की दिल्ली इकाई के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रमुख माधवी बुच के इस्तीफे और अदाणी समूह से जुड़े मामले की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव, वरिष्ठ नेता सचिन पायलट, कन्हैया कुमार और उदित राज सहित अन्य लोग शामिल हुए। कांग्रेस नेता यादव ने कहा कि जिस तरह से घोटाले का खुलासा हुआ है, उस देखकर सेबी प्रमुख को इस्तीफा देना चाहिए या फिर उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अदाणी समूह से जुड़े 'घोटालों' की जेपीसी से जांच जरूरी है। हिंडनबर्ग रिसर्च ने हाल में अपनी एक रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि सेबी की प्रमुख बुच और उनके पति की अदाणी समूह से जुड़ी कथित अनियमितताओं में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट 'विदेशी फंड में हिस्सेदारी थी। सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज कर बेबुनियाद बताया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

४६ छात्रों को शिक्षा से वंचित रखने वाले आचार्य के खिलाफ कमेटी का गठन

शिक्षा मंत्री ने कहा- कोई भी बच्चा स्कूल न छोड़े

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत में ४६ छात्रों को शिक्षा से वंचित रखने वाले सस्पेंडेड शिक्षक को सुरत छोड़ने की सलाह दी गई है। शिक्षा विभाग ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एक कमेटी का गठन किया है जो इस शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश करेगी।

शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि किसी भी बच्चे को स्कूल छोड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार हर बच्चे का है और इस प्रकार के मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में कोई भी छात्र शिक्षा से वंचित न रहे। चालू सत्र और परीक्षा के करीब होने के कारण गरीब छात्रों को स्कूल से निकालकर उन्हें एलसी देने वाले मुख्य शिक्षक विजय झांझरकिया को निलंबित कर दिया गया है। निलंबन आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि वे सूरत शहर छोड़कर कहीं नहीं जा सकते; यदि उन्हें बाहर जाना है, तो उन्हें छुट्टी लेनी होगी। इसके अलावा, इस मामले पर शिक्षा मंत्री भी सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि मुख्य शिक्षक द्वारा किया गया यह कृत्य शिक्षा के खिलाफ है। नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की स्कूल ३१८ के मुख्य शिक्षक विजय झांझरकिया ने जून महीने से लेकर अब तक कुल ४६ गरीब मासूम छात्रों को स्कूल से निकाल दिया था। इन छात्रों को छोटे-छोटे कारणों का बहाना बनाकर लिविंग सर्टिफिकेट (एलसी) जारी कर दिया गया था। यह शर्मनाक घटना उजागर होने के बाद राज्य के शिक्षा मंत्री प्रफुल पंसेरिया ने मुख्य शिक्षक को निलंबित करने का आदेश दिया था। इसके साथ ही इस मामले की जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है। सीआरसी के तीन सदस्यों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।

परमात्मा की वाणी से जीवन में आता है परिवर्तन : आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, शहर के पाल में श्री कुशल कांति खरतरगच्छ जैन श्री संघ पाल स्थित श्री कुशल कांति खरतरगच्छ भवन में युग दिवाकर खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. ने आज गुरुवार २२ अगस्त को प्रवचन में कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र के तीसरे अध्याय में पहला श्लोक जो अपने भविष्य का निर्माण करने वाला है. वह पाना, पाना नहीं है, जिसे पाने के बाद छोड़ना पड़ें. वह पाना पाना है, जो हमारा उपहार बन जाए. जो हमारे कल्याण का मार्ग बन जाए. परमात्मा की वाणी से जीवन में परिवर्तन जरूर आता है. पूरे भारत में सिद्धितप की तपस्या लाखों में हो रही है. उन्होंने कहा कि जीवन को पाने के बाद हमें दान रुचि, साधर्मिक भक्ति अल्प कषाय करना चाहिए. कषाय से कोई मुक्त नहीं है आप भी नहीं और साधु भी नहीं. अल्प कषाय के तीन भेद है, शिघ्र कषाय , दिर्घ कषाय और तीव्र कषाय है. इन तीनों को हमें समझना है. अल्प कषाय मनुष्य जीवन को प्राप्त करने का प्रबल उपाय है. आज हैदराबाद के अति प्राचीन कुलपाकजी तीर्थ के ट्रस्ट मंडल के नेतृत्व में २० से २५ लोगों का संघ उपस्थित रहा. जिसमें सुरेंद्र भाटिया, वसंतजी सहित श्रद्धालु शामिल थे. जिन्होंने अगले २०२५ में चारों संप्रदाय की ओर से हैदराबाद में चातुर्मास के लिए आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म. सा. को न्यौता दिया. और आचार्यश्री ने उसे स्वीकार किया. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अगर सबको मन में यह भाव आ जाए कि मैं श्वेताम्बर, स्थानकवासी, डिंगबर, तेरापंथी बाद में हूं, मैं पहले एक जैन हूं, ऐसा भाव आ जाएंगा तो जैन समाज का नक्शा बदल जाएगा.

हीरा, टेक्सटाइल सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार करने वाले ५४ लोगों को लक्ष्य बनाकर मासिक २% लाभ का लालच देकर

दो करोड़ से अधिक की रकम ठग ली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत की ईको सेल ने एक ठग गिरोह के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है, जिसने हीरा, टेक्सटाइल और अन्य क्षेत्रों में व्यापार करने वाले ५४ लोगों को लक्षित करके उन्हें मासिक २त्न लाभ का लालच दिया। इस लालच का फायदा उठाकर उसने इन लोगों से दो करोड़ से अधिक की रकम ठग ली।

प्रारंभिक जांच के अनुसार, आरोपित ने ग्राहकों को नफे का आश्वासन देकर निवेश करने के लिए प्रेरित किया और उसके बाद बड़ी रकम हड़प ली। अधिकारी इस मामले की गहन जांच कर रहे हैं और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना है।

शहर के हीरा, टेक्सटाइल और अन्य क्षेत्रों में व्यापार करने वाले ५४ लोगों को मासिक २त्न लाभ का लालच देकर २,४७,८१,००० रुपये की ठगी करने वाले मास्टरमाइंड को कटक सर्कल जेल (ओडिशा) से ट्रांसफर वॉरंट के माध्यम से सुरत ईको सेल ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर ५ दिन की रिमांड प्राप्त की गई है।

५४ व्यापारियों के पैसे लेकर फरार हुआ था

सुरत शहर के बड़े व्यापारियों, टेक्सटाइल और डायमंड से जुड़े लोगों को लक्ष्य बनाकर जीयाजुर रहमान मनीरुल्लाहु दा सैयद और उसकी टोली ने उनकी कंपनी में निवेश करने का लालच दिया कि कंपनी मासिक २त्न लाभ बैंक खाते में देगी। शुरू में २त्न लाभ का भुगतान किया गया, लेकिन जैसे-जैसे निवेश बढ़ा, लाभ देना

जीण माताजी के मंदिर में तस्वीर की हुई स्थापना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री जीण माता सेवा ट्रस्ट द्वारा न्यूसिटी-लाईट स्थित देवसर माता प्रांगण में नवनिर्माणाधीन जीण माता मंदिर में माताजी की तस्वीर की स्थापना रक्षाबंधन के पावन पर्व पर की गई. मंदिर के निर्माण एवं संचालन हेतु श्री जीण माता सेवा ट्रस्ट का गठन किया गया है. मंदिर के गर्भग्रह का चाँदी का काम और मूर्ति बनने का कार्य भी शुरूहो चुका है. इस मौके पर ट्रस्ट के कमल टाटनवाला, अशोक चौकड़िका, अमित दोदराजका सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें.

आत्मा में रमण करना साधु के लिए श्रेयस्कर :युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, भगवान महावीर के प्रतिनिधि, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी वर्तमान में सूरत में चतुर्मास कर रहे हैं. चतुर्मास प्रवास स्थल उपस्थित जनता को पावन प्रेरणा तो प्राप्त हो ही रही है, इसके साथ-साथ तेरापंथ धर्मसंघ के विभिन्न संस्थाओं द्वारा अनेक-अनेक उपक्रम भी आयोजित हो रहे हैं. इस क्रम में गुरुवार को अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा अलंकरण एवं पुरस्कार सम्मान समारोह का आयोजन किया.

नित्य की भांति गुरुवार को युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने आयारो आगम के माध्यम से पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि हर आदमी के पास अतिन्द्रिय ज्ञान होना आवश्यक नहीं लगता. केवलज्ञानी तो सर्वज्ञ होते हैं. वे सम्पूर्ण अतिन्द्रिय के धारक, उत्पन्न ज्ञान-दर्शन के धारक अर्हत् होते हैं. उनके भीतर से ज्ञान उत्पन्न हो गया है. केवलज्ञान प्राप्त करने के लिए कॉलेज अथवा विश्वविद्यालय में पढ़ने की आवश्यकता नहीं होती. इसके लिए किसी प्रकार के प्रमाण पत्र की भी आवश्यकता नहीं होती. चूकि आदमी के पास ऐसे ज्ञान नहीं होते और तो सभी साधुओं में भी नहीं हो सकता, ऐसी स्थिति अर्हतों का उपदेश, उनकी आज्ञा या आगम एक आधार बन सकते हैं. साधुओं के लिए आगम अथवा दूसरे ग्रंथ ही आलम्बनभूत बन सकते हैं. आगम तो ग्रंथ शिरोमणि होते हैं. आगम का अपना महत्त्व है. उसके बाद हमारे धर्मसंघ के आधारभूत ग्रंथ परम पूज्य आचार्यश्री भिक्षु से प्राप्त हुए. आयारो में बताया गया है कि जो साधु अनाज्ञा में वर्तन करते हैं, आत्मा में रमण नहीं करते हैं, अर्हतों के उपदेश का अनुसरण नहीं करते हैं, वे काम-भोगों में अपने चित्त को लगा सकते हैं. साधु बन जाना अच्छी बात है, परन्तु छठे गुणस्थान में प्रमाद हो सकता हैं.

छठे गुणस्थान प्रमाद आश्रव होता है. आयारो में बताया गया कि जो मुनि अर्हत के उपदेश का अनुसरण नहीं करते हैं, आत्मा में रमण नहीं करते हैं, वे काम-भोग में अपने चित्त को लगा देते हैं. साधु कभी आसक्ति मोह में चला जा सकता है. और अधिक विषयासक्त हो जाए तो उसका साधुपन भी जा सकता है. छोटी चोरी, गलत बात बोल दे तो साधुपन नहीं जाता, किन्तु दोष लग सकता है. बड़ी चोरी, हिंसा, हत्या में जाने पर साधुपन समाप्त हो जाता है। इसलिए साधु को आत्मरमण करने का प्रयास करना चाहिए. साधु को अपने संयम के प्रति जागरूक रहे. संयम के प्रति साधु की भावना पुष्ट हो जाए तो साधुपन सुरक्षित रह सकता है. दुनिया में अनेक प्रकार के साधु होते हैं. साधु को अपना मन अनासक्ति में लगाए रखने का प्रयास करना चाहिए. जितना संभव हो सके, साधु को अपनी आत्मा में रमण करने का प्रयास करना चाहिए, वह उसके लिए श्रेयस्कर हो सकता है.

मंगल प्रवचन के उपरान्त आचार्यश्री ने मुनि गजसुकुमालजी के आख्यान क्रम को आगे बढ़ाया. अनेक तपस्वियों ने आचार्यश्री से अपनी-अपनी तपस्या का प्रत्याख्यान किया. तदुपरान्त आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा अलंकरण एवं पुरस्कार सम्मान समारोह का समायोजन हुआ. इस संदर्भ में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश डागा ने अपनी भावाभिव्यक्ति दी. वर्ष २०२४ के युवा गौरव पुरस्कार अभातेयुप के पूर्व अध्यक्ष श्री विमल कटारिया को तथा आचार्यश्री महाश्रमण युवा व्यक्तित्व पुरस्कार श्री विपीन पितलिया को प्रदान किया गया. श्री कटारिया के प्रशस्ति पत्र का वाचन अभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री पवन माण्डोत, श्री पितलिया के प्रशस्ति पत्र का वाचन उपाध्यक्ष द्वितीय श्री जयेश मेहता ने किया. अलंकरण व पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं ने अपनी भावनाओं को अभिव्यक्ति दी. आचार्यश्री ने अलंकरण/पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को पावन आशीर्वाद भी प्रदान किया. कार्यक्रम का संचालन अभातेयुप के महामंत्री श्री अमित नाहटा ने किया. नेशनल रेलवे कमेटी मेम्बर

अग्रवाल समाज ट्रस्ट अल्थान की नई कार्यकारिणी का गठन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल समाज ट्रस्ट अल्थान वेसु के कार्यकारिणी सदस्यों की मीटिंग को रात्रि ९ बजे आस्था कॉरपोरेट केपिटल वीआईपी रोड़ में रखी गई. मीटिंग में वर्तमान अध्यक्ष विनोद चिड़ावा वाला एवं सचिव विकास मालचन्दका की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया. साथ ही मनोनीत सदस्यों का चयन किया गया. उपस्थित वर्तमान एवं नये चयनित सदस्यों

द्वारा सर्व समिति से २०२४-२६ के लिये पदाधिकारियों का चयन किया गया.

अध्यक्ष: भागचंद अग्रवाल (हुडिलवाला)
चेयरमैन: संम्पत पोद्दार
सचिव: श्रीराम अग्रवाल (चिरानियॉ)
कोषाध्यक्ष: राजकुमार गुप्ता
वरिष्ठ उपाध्यक्ष: राजेश धानुका
मुख्य सलाहकार: महेंद्र अग्रवाल
उपाध्यक्ष: कैलाश अग्रवाल
प्रमोद अग्रवाल (चिरानियॉ)
संगठन मंत्री: लक्ष्मीकांत नैनसुखा
सहसचिव: महेंद्र अग्रवाल (रेनवाल)
सह कोषाध्यक्ष: प्रकाश जोगाणी
मीडिया प्रभारी: सुनील चिरानियॉ(पिन्टू)

कार्यकारणी सदस्य

सोनू अग्रवाल,रामनिवास अग्रवाल, कपिल गर्ग,मुकेश गोयनका, मनोज मेहरिया, दिलीप खंटा,अशोक अग्रवाल,विष्णु केडिया,श्याम अग्रवाल , अमित गोरिसरिया

मनोनीत सदस्य

१.श्री चंडीप्रसाद पंसारी
२. विजय गोयल
३. सुनील चिरानियॉ(पिन्टू)